श्रावण शुक्ल - 13 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 20 ▪ अंक - 26 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 18-08-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 दलगत राजनीति से ऊपर उठें राजनीतिक दल : मायावती

6 कर्नल सोनम वांगचुक: 'लद्दाख के शेर' को देखकर साथियों के शव छोड़कर भागे थे पाकिस्तानी फौजी

7 मशहूर होना व ग्लैमर की दुनिया में तहलका मचाना : उर्फी जावेद

फर्स्ट टेक

भाजपा 10 करोड़ नए सदस्य बनाएगी

नई दिल्ली/एजेन्सी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आज तय किया कि अगले माह शुरू हो रहे सदस्यता अभियान में भाजपा में 10 करोड़ नये सदस्य जोड़ना है। पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय में शनिवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा और केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में भाजपा राष्ट्रीय सदस्यता अभियान बैठक में यह तय किया गया। बैठक में राष्ट्रीय पदाधिकारी एवं प्रदेश के पदाधिकारी शामिल हुए। पार्टी के प्रवक्ता संबित पात्रा ने देर शाम को संवाददाताओं से कहा कि बैठक में, भाजपा राष्ट्रीय सदस्यता अभियान किस प्रकार से आगे बढ़ेगा, इस पर सघन चिंतन हुआ। उन्होंने कहा कि आगामी एक सितंबर से सदस्यता अभियान शुरू होने वाला है। जिसका लक्ष्य है 10 करोड़ से अधिक लोगों को भाजपा का सदस्य बनाना है।

नाइजीरिया में बंदूकधारियों ने 20 छात्रों का अपहरण किया

अबुजा/एपी। नाइजीरिया के उत्तर-मध्य क्षेत्र में बंदूकधारियों ने एक विश्वविद्यालय के छात्रों के वाहनों पर घात लगाकर हमला कर कम से कम 20 छात्रों का अपहरण कर लिया। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। बेन्यू राज्य पुलिस प्रवक्ता कैथरीन एनेन ने बताया कि छात्र जब मेडिकल छात्रों के एक सम्मेलन में शामिल होने के लिए दक्षिण की ओर जा रहे थे, तभी बृहस्पतिवार शाम को बेन्यू में उन पर घात लगाकर हमला किया गया। यह हमला बेनुए ओटुकपो मार्ग पर हुआ, जहां अपहरण की घटनाएं अक्सर होती रहती हैं। उत्तरी नाइजीरिया के कुछ हिस्सों में अपहरण की इस तरह की घटनाएं आम हैं।

वक्फ विधेयक संबंधी संसदीय समिति की पहली बैठक 22 अगस्त को

नई दिल्ली/भाषा। वक्फ (संशोधन) विधेयक पर विचार करने के लिए गठित संसद की संयुक्त समिति की पहली बैठक अगले सप्ताह 22 अगस्त को होगी। लोकसभा सचिवालय के एक नोटिस में कहा गया है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद जगदंबिका पाल की अध्यक्षता वाली समिति 22 अगस्त को अल्पसंख्यक कार्य तथा विधि एवं न्याय मंत्रालयों के प्रतिनिधियों से मुलाकात करेगी। सचिवालय ने कहा कि अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के प्रतिनिधियों से समिति को ''विधेयक में प्रस्तावित संशोधनों'' के बारे में जानकारी देने की उम्मीद है। सरकार ने वक्फ बोर्ड को नियंत्रित करने वाले कानून में संशोधन से संबंधित विधेयक गत आठ अगस्त को लोकसभा में पेश किया था जिसे सत्तापक्ष एवं विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक एवं चर्चा के बाद संयुक्त समिति को भेजने का फैसला हुआ था।

18-08-2024	19-08-2024
सूर्यास्त 6:39 बजे	सूर्योदय 6:08 बजे

BSE	NSE
80,436.84	24,541.15
(+1,330.96)	(+397.40)

सोना	चांदी
7,374 रु.	85,767 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

दोषी कौन ?

घोषित अयोग्य जन प्रतिनिधि यदि,
दोषी जनमत या दल सुजान।
आखिर कब होगा सदनों में,
सच्ची शुचिता का प्रावधान।
कानून खिलौना है सबका,
इसलिए खिलंदड़ सब बयान।
हरदम क्यों दिखता लुंजपुंज,
डेमोक्रेसी में संविधान।।

गंभीर चुनौतियों से निपटने के लिए एक साथ मिलकर काम करें : मोदी

मोदी ने 'ग्लोबल साउथ' के देशों में विकास को बढ़ावा देने के लिए वैश्विक विकास समझौते का प्रस्ताव रखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद हमारे समाज के लिए गंभीर खतरा बने हुए हैं।
- यह समय की मांग है कि ग्लोबल साउथ के देश एकजुट हों, एक आवाज में खड़े हों और एक-दूसरे की ताकत बनें।

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दुनियाभर में ''अनिश्चितताओं'' के परिणामों पर चिंता जताते हुए शनिवार को 'ग्लोबल साउथ' के देशों से खाद्य एवं ऊर्जा सुरक्षा संकट एवं आतंकवाद की चुनौतियों से निपटने के लिए एकजुट होकर काम करने का आह्वान किया।

मोदी ने भारत द्वारा डिजिटल रूप से आयोजित 'वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ' सम्मेलन के तीसरे संस्करण के शुरुआती भाषण में कहा कि भारत 'सोशल इम्पैक्ट फंड' में 2.5 करोड़ डॉलर का प्रारंभिक योगदान देगा, जिसका उद्देश्य 'ग्लोबल साउथ' में डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा (डीपीआई) विकसित करना है।

उन्होंने आपसी व्यापार और समावेशी विकास को बढ़ावा देने तथा सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए 'ग्लोबल साउथ' या विकासशील देशों के साथ अपनी क्षमताओं को साझा करने की भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

मोदी ने कहा कि दुनियाभर में ''अनिश्चतता का माहौल'' है और दुनिया अब भी पूरी तरह से कोविड-19 महामारी के प्रभाव से बाहर नहीं आयी है। उन्होंने कहा कि युद्ध के कारण विकास को नयी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा, ''हम पहले ही जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का सामना कर रहे हैं और अब स्वास्थ्य सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा और ऊर्जा सुरक्षा को लेकर चिंताएं हैं।''

प्रधानमंत्री ने कहा, ''आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद हमारे समाज के लिए गंभीर खतरा बने हुए हैं। प्रौद्योगिकी विभाजन और प्रौद्योगिकी से जुड़ी नयी आर्थिक व सामाजिक चुनौतियां भी सामने आ रही हैं।'' उन्होंने कहा कि पिछली शताब्दी में स्थापित वैश्विक शासन और वित्तीय संस्थान वर्तमान शताब्दी की चुनौतियों का सामना करने में असमर्थ हैं। उन्होंने कहा, ''यह समय की मांग है कि ग्लोबल साउथ के देश एकजुट हों, एक आवाज में खड़े हों और एक-दूसरे की ताकत बनें। आइए हम एक-दूसरे के अनुभवों से सीखें।''

मोदी ने कहा, ''आइए हम अपनी क्षमताओं को साझा करें। आइये हम सब मिलकर अपने संकल्पों को सिद्ध करें। आइये हम सब मिलकर दो-तिहाई मानवता को पहचान दिलायें।'' उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में, भारत 'ग्लोबल साउथ' या विकासशील देशों, विशेष रूप से अफ्रीकी महाद्वीप की चिंताओं, चुनौतियों और आकांक्षाओं को उजागर करते हुए खुद को एक अग्रणी आवाज के रूप में स्थापित कर रहा है।

एमयूडीए भूमि आवंटन 'घोटाले' के संबंध में

कर्नाटक के राज्यपाल ने दी मुख्यमंत्री के खिलाफ मुकदमा चलाने को मंजूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) भूमि आवंटन 'घोटाले' के संबंध में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दे दी है तथा कहा कि मामले की एक तटस्थ, वस्तुनिष्ठ और गैर-पक्षपातपूर्ण जांच कराना बहुत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि वह प्रथम दृष्टया इस बात से संतुष्ट हैं कि आरोप और मामले से जुड़ी संबंधित सामग्री अपराध किए जाने का खुलासा करती हैं।

राज्यपाल ने मंत्रिपरिषद द्वारा लिए गए उस निर्णय को ''अतार्किक'' करार दिया जिसमें मुख्यमंत्री को जारी कारण बताओ नोटिस वापस लेने तथा मुकदमा चलाने की मंजूरी की मांग करने वाली याचिका को खारिज करने की सलाह दी गई थी। राज्यपाल ने अपने निर्णय में कहा, याचिका के साथ आरोपों के समर्थन में सामग्री, सिद्दरामय्या के उत्तर, राज्य मंत्रिमंडल की सलाह और कानूनी राय की समीक्षा करने पर मुझे लगता है कि एक ही तथ्य के संदर्भ में दो अलग-अलग पक्ष हैं। उन्होंने कहा, यह बहुत जरूरी है कि निष्पक्ष, वस्तुनिष्ठ और गैर-पक्षपाती जांच की जाए। मैं प्रथम दृष्टया संतुष्ट हूं कि आरोप और सहायक सामग्री अपराध किए जाने का खुलासा करती हैं। तथ्यों और परिस्थितियों के मद्देनजर गहलोत ने कहा कि वह संतुष्ट हैं कि टी जे अब्राहम, प्रदीप कुमार एस पी और स्नेहमयी कृष्णा की याचिकाओं में उल्लिखित अपराधों को करने के आरोपों पर मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के खिलाफ मुकादमा चलाने की मंजूरी दी जा सकती है।

उन्होंने कहा, अतः मैं मुख्यमंत्री के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 17ए और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 218 के तहत याचिकाओं में उल्लिखित कथित अपराधों के लिए में अभियोजन की मंजूरी देता हूं। अधिवक्ता- सामाजिक कार्यकर्ता टी जे अब्राहम द्वारा दायर याचिका के आधार पर राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने 26 जुलाई को एक 'कारण बताओ नोटिस' जारी किया था, जिसमें मुख्यमंत्री को निर्देश दिया गया था कि वह सात दिनों के भीतर उनके खिलाफ आरोपों पर जवाब प्रस्तुत करें कि उनके खिलाफ अभियोजन की अनुमति क्यों न दी जाए।

सिद्दरामय्या ने इस्तीफा देने से किया इनकार

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने मैसुरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) भूखंड आवंटन 'घोटाला' मामले में उनके खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा दी गई मंजूरी को 'अवैध' करार देते हुए कानूनी लड़ाई लड़ने की शनिवार को प्रतिबद्धता जताई और इस मुद्दे पर इस्तीफा देने से इनकार कर दिया। सिद्दरामय्या ने कहा कि पूरे मंत्रिमंडल, कांग्रेस आलाकमान और विधायकों ने उनके साथ एकजुटता व्यक्त की है।

मुकदमा चलाये जाने की मंजूरी के कुछ घंटे बाद आयोजित कैबिनेट की विशेष बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, ''मुझे बताएं कि मुझे क्यों और किस कारण से इस्तीफा देना चाहिए?... राज्यपाल को इस्तीफा देना चाहिए क्योंकि उन्होंने भारत सरकार के हाथों की कठपुतली की तरह काम किया है।'' उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडल ने उनके खिलाफ मुकदमा चलाने के राज्यपाल के फैसले को ''अवैध'' और ''असंवैधानिक'' करार दिया तथा इसकी निंदा की।

कुछ लोग राजनीतिक हित को राष्ट्र हित से ऊपर रखते हैं : उपराष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वेंकटचलम (आंध्र प्रदेश)/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को यहां कहा कि देश में कुछ लोगों ने अपने राजनीतिक हित को राष्ट्र हित से ऊपर रखा है और उम्मीद है कि उन्हें सद्बुद्धि आएगी। उपराष्ट्रपति ने उम्मीद जताई कि ऐसे लोग देश की स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए किए गए सर्वोच्च बलिदानों से कुछ सीखेंगे।

नेल्लोर जिले के वेंकटचलम में स्वर्ण भारत ट्रस्ट की बैठक को संबोधित करते हुए धनखड़ ने कहा,'' देश में कुछ लोगों ने अनुचित कारणों से अपने राजनीतिक हित को राष्ट्र हित से ऊपर रखा है। उम्मीद करते हैं और प्रार्थना करते हैं कि उनमें समझ आए।''

धनखड़ ने इस बयान से ठीक एक दिन पहले शुक्रवार को चिंता व्यक्त की थी कि संवैधानिक पद पर बैठा एक व्यक्ति उच्चतम न्यायालय से स्वत: संज्ञान लेने के लिए कह रहा है ताकि ''हमारी अर्थव्यवस्था को नष्ट करने के उद्देश्य वाले विमर्श'' को हवा दी जा सके।

उनका इशारा संभवत: लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की ओर था। उन्होंने कहा कि सर्वोच्च बलिदानों के माध्यम से प्राप्त स्वतंत्रता को हर पल पोषित किया जाना चाहिए।

इसके अलावा धनखड़ ने कहा कि प्रत्येक भारतीय को आर्थिक राष्ट्रवाद में विश्वास करना चाहिए और उन्होंने इसे स्थानीय वस्तुओं को बढ़ावा देने का परिचायक बताया। उन्होंने कहा कि भारत का विदेशी मुद्रा भंडार देश से बाहर जा रहा है क्योंकि अनावश्यक वस्तुओं का आयात होने से उद्यमिता प्रभावित हो रही है।

आगजनी मामले में पुलिस ने कांग्रेस विधायक को हिरासत में लिया

दुर्ग/भाषा। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में जून में हुई हिंसा के मामले में पुलिस ने कांग्रेस विधायक देवेंद्र

यादव को दुर्ग जिले से हिरासत में ले लिया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद बड़ी संख्या में यादव के समर्थक भिलाई नगर इलाके में उनके आवास के बाहर जमा हो गए और उन्होंने उनके समर्थन में नारे लगाए। बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने बताया कि यादव को पुलिस ने दुर्ग से हिरासत में लिया और आगे की कार्रवाई के लिए उन्हें बलौदाबाजार लाया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि उसने बलौदाबाजार आगजनी मामले के सिलसिले में यादव को बयान दर्ज करने के लिए तीन बार बुलाया था, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला जिसके बाद उनके खिलाफ कार्रवाई की गई।

चिकित्सकों की हड़ताल में शामिल हुए निजी अस्पताल, ओपीडी सेवाएं बंद

कोलकाता के एक अस्पताल में महिला चिकित्सक के साथ कथित बलात्कार एवं हत्या के विरोध में चिकित्सकों की हड़ताल तेज होती जा रही है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कोलकाता के एक अस्पताल में महिला चिकित्सक के साथ कथित बलात्कार एवं हत्या के विरोध में चिकित्सकों की हड़ताल तेज होती जा रही है। शुक्रवार को दिल्ली के प्रमुख निजी अस्पताल भी इस विरोध प्रदर्शन में शामिल होते हुए अपनी ओपीडी, वैकल्पिक सर्जरी और आईपीडी सेवाएं बंद कर दीं।

राजधानी में रेजिडेंट डॉक्टर सोमवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। शुक्रवार को हड़ताल के छठे दिन सरकारी अस्पतालों के साथ-साथ निजी अस्पताल भी इसमें शामिल हो गए हैं।

सर गंगा राम, फोर्टिस एवं अपोलो जैसे अस्पतालों ने अपनी ओपीडी, वैकल्पिक सर्जरी एवं आईपीडी सेवाएं बंद कर दी हैं।

सर गंगा राम अस्पताल के प्रबंधन बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. अजय स्वरूप ने कहा, हमने ओपीडी, वैकल्पिक ऑपरेशन थियेटर और आईपीडी सेवाएं पूरी तरह बंद करने की घोषणा की है। मेरा मानना है कि अधिकारियों पर दबाव बनाने और जांच प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए अब विरोध प्रदर्शन में शामिल होना और काम बंद करना जरूरी हो गया है, ताकि न्याय में देरी न हो। उन्होंने कहा, जब तक सभी स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा संबंधी चिंताओं को दूर करने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए जाते, तब तक हम हड़ताल का पूरी तरह से समर्थन करते रहेंगे।

फोर्टिस हॉस्पिटल्स ने एक बयान में कहा, कोलकाता में हुई भयावह घटना से हम बेहद दुखी और स्तब्ध हैं। हिंसा के ऐसे कृत्य निंदनीय हैं खासकर उन लोगों के खिलाफ जो दूसरों के इलाज के लिए अपना जीवन समर्पित करते हैं। हम त्वरित न्याय की मांग करते हैं।

कानपुर के पास पटरी से उतरे साबरमती एक्सप्रेस के 20 डिब्बे

लखनऊ/भाषा। वाराणसी से अहमदाबाद जा रही साबरमती एक्सप्रेस के कम से कम 20 डिब्बे कानपुर के गोविंदपुरी स्टेशन के पास शुक्रवार देर रात पटरी से उतर गए। रेलवे ने यह जानकारी दी।

हालांकि, इस हादसे में जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है।

कानपुर के पुलिस आयुक्त अखिल कुमार ने बताया कि यह निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी कि यह दुर्घटना है या शरारती तत्व का काम है। उन्होंने कहा कि यह कुछ भी हो सकता है।

उत्तर-मध्य रेलवे (एनसीआर) के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शशिकांत त्रिपाठी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि देर रात करीब ढाई बजे साबरमती एक्सप्रेस के 20 डिब्बे कानपुर और भीमसेन रेलवे स्टेशन के बीच पटरी से उतर गए।

त्रिपाठी के मुताबिक, ट्रेन वाराणसी से अहमदाबाद जा रही थी और इस हादसे में किसी के मारे जाने या घायल होने की कोई खबर नहीं है। उन्होंने बताया कि राहत एवं बचाव कार्य जारी है।

पाकिस्तान मूल के व्यवसायी तहव्वुर राणा को भारत को प्रत्यर्पित किया जाए : अमेरिकी अदालत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- मुंबई में 2008 हुए भीषण आतंकवादी हमलों में आरोपी हैं पाकिस्तानी मूल का कनाडाई व्यवसायी तहव्वुर राणा

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका की एक अदालत ने मुंबई में 2008 हुए भीषण आतंकवादी हमलों में संलिप्तता के आरोपी एवं पाकिस्तानी मूल के कनाडाई व्यवसायी तहव्वुर राणा को बड़ा झटका देते हुए फैसला सुनाया है कि उसे प्रत्यर्पण संधि के तहत भारत को प्रत्यर्पित किया जा सकता है।

अमेरिका की नाइंथ सर्किट संबंधित अपीलीय अदाल ने 15 अगस्त को सुनाए अपने फैसले में कहा, ''(भारत अमेरिका प्रत्यर्पण) संधि राणा के प्रत्यर्पण की अनुमति देती है।''

राणा (63) ने कैलिफोर्निया में अमेरिकी जिला अदालत के आदेश के खिलाफ इस अपीलीय अदालत में याचिका दायर की थी। कैलिफोर्निया की जिला अदालत ने उसकी बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका को अस्वीकार कर दिया था। बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका में मुंबई में आतंकवादी हमलों में राणा की कथित संलिप्तता के लिए उसे भारत प्रत्यर्पित किए जाने के मजिस्ट्रेट न्यायाधीश के आदेश को चुनौती दी गई थी।

अपीलीय अदालत के न्यायाधीशों के पैनल ने जिला अदालत के फैसले की पुष्टि की।

राणा फिलहाल लॉस एंजलिस की एक जेल में बंद है और वह 26/11 के मुंबई हमले में अपनी भूमिका को लेकर आरोपों का सामना कर रहा है। बताया जाता है कि उसका संबंध लश्कर-ए-तैयबा में पाकिस्तान मूल के अमेरिकी

सहज स्मृति योग

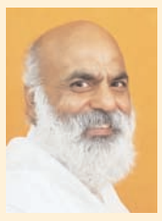

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: एक बार आपने कहा था कि यह तथ्य है कि आप सत्य बोलते हैं किन्तु यह सत्य नहीं है कि आप तथ्य बोलते हैं।मैं आजतक नहीं समझ पाया कि आपके इस कथन को कैसे समझूँ?

उत्तर: यह तो बड़ी सीधी सी बात है इसमें कोई लाग-लपेट या घुमाव-फिराव नहीं है। आप चिंतन करेंगे तो पाएँगे कि किसी भी व्यक्ति का हरेक विषय के पूरे के पूरे तथ्य जानने के लिए उसका केवल एक ही नहीं बल्कि हरेक विषय का अधुनातन विशेषज्ञ होना आवश्यक है जोकि असंभव है। एक व्यक्ति सीमित सी जीवन-अवधि में हरेक विषय का विशेषज्ञ नहीं हो सकता। अतः तथ्य बोलना असंभव है।ज्ञान की गहराई के अनुसार तथ्य निरंतर बदलते रहते हैं। इसे ही नवीन शोध कहा जाता है।

हम सब लोग, सामान्य ज्ञान या समाचार के आधार पर ही आपस में संवाद करते हैं और तथ्य की बड़ी ही उथली और काम चलाऊ परिभाषा लेकर चलते हैं, तथ्य की तात्त्विक परिभाषा हमारी कसौटी नहीं होती। हमें पूरे के पूरे तथ्य कभी ज्ञात नहीं होते हैं । जो किसी को आधे-अधूरे तथ्य ज्ञात भी हों तो हमेशा वे पूरे के पूरे किसी के स्मरण में आते नहीं हैं तो बोलेंगे कैसे? कदाचित हम सब ही, इसी सामान्य श्रेणी में आते हैं। जबकि, सत्य बोलने के लिए केवल अपने मन, वचन, कर्म को एक रखना पर्याप्त है जोकि, कृपा, संकल्प और साधना से हम सब ही रख सकते हैं। और सत्य बोल सकते हैं।

क्रोध से प्रीति का नाश होता है : विनयमुनि खींचन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। यहां शिवाजीनगर के गणेशबाग में विराजित श्री विनयमुनिजी 'खींचन' ने शनिवार को आवश्यक सूत्र की विवेचना करते हुए कहा कि हमें छोटा सा जीवन मिला है। माता पिता के मन में खुशियों का फूल खिला है। फूल मुर्झाने से पहले अपने छोटे से जीवन में प्रीति के सौरभ में आत्मा को भावित कर लेना चाहिए। आगम दशवैकालिक में क्रोध से प्रीति का नाश होता है। संसार के मानवों में परस्पर व्यवहार में प्रीतियोग से ही जीवन में मिठास रहती है। प्रीति में निस्वार्थ प्रेम, हितकारी चिन्तन तथा परस्पर सहयोग देते हैं और लेते भी है। जीवन में श्रृंगार आभूषणों का शरीर पर करने के लिए दिन रात धन की भूख लगी है। शरीर के श्रृंगार के लिए व्यक्ति परेशान है जो एक दिन आग में जलना है। हमेशा आत्मा का श्रृंगार करें। आत्मा के श्रृंगार गुण रूपी आभूषणों से करने से स्व-पर का कल्याण होता है।

सभा में अनेक क्षेत्रों से श्रावक पहुंचे। हलसूर के छह वर्षीय बालक देवांश बोरुंदिया ने भरी सभा में भक्तामर स्त्रोत की सस्वर पारायण किया, सभी ने हर्षनाद किया। महामन्त्री संपतराज मांडोत ने आभार व्यक्त किया। संघ प्रवक्ता राजु सकलेचा ने सभी सभी का स्वागत किया।

बुद्धि वीर वाटिका में पहले तपोत्सव का समापन

'तपस्या में आई कुरीतियों को करें दूर'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। आचार्य विमलसागरसूरीश्वर ने कहा कि तपस्या के निमित होटलों में अथवा रात को भोजन समारोह के आयोजन नहीं होने चाहिये। उसी तरह तपसाधना के उपलक्ष्य में रुपयों या भेंट-सौगातों की लेन-देन करना भी सर्वथा अनुचित है। कुरीतियों को रोककर ही हम साधना की पवित्रता और समाज की स्वच्छता को बरकरार रख सकते हैं। भगवान महावीरस्वामी की परंपरा की तपसाधना दोषों और दुर्गुणों को दूर करने के लिए हैं, उन्हें बढ़ाने के लिये नहीं। समाज के प्रबुद्ध और समृद्ध वर्ग को सामाजिक-धार्मिक क्रांति के लिये आगे आना चाहिये। कुरीतियों को मिटाने की सबसे अधिक जिम्मेदारी उन्हीं की बनती हैं। शनिवार को नजरबाद स्थित बुद्धि वीर वाटिका के पंडाल में शत्रुंजय तापराधना की पूर्णाहुति के अवसर पर विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए जैनाचार्य ने कहा कि स्वाद लोलुप न बनने, पाप प्रवृत्तियों को कम करने, अन्तरशक्तियों को जगाने और अशुभ वृत्तियों को दूर कर सन्मार्ग पर आगे बढ़ने के लिये तपस्या की जाती है। जैनशास्त्रों में यही निर्देश है। हर श्रद्धालु को किसी की भी तपस्या के निमित्त अपने लिए ऐसे संकल्प करने चाहिये। यही साधना का श्रेष्ठ मार्ग है। लेन-देन या भेंट-सौगातों से कुछ नहीं होगा। तपस्या में तो धन की नहीं, तन और मन की गहरी भूमिका होती है। अगर हम मारपीट या गली-गलौज छोड़ न सकें, धूम्रपान, जुआ या शराब का परित्याग न कर सकें, अनैतिकता अथवा अनाचार के पथ पर चलते रहें और गलत खानपान करते रहें तो साधना करने का कोई तात्पर्य सिद्ध नहीं होता। साधना तो जीवन के परिवर्तन के लिये होती हैं।

कल्याण मित्र वर्षावास समिति के कांतिलाल चौहान ने बताया कि रतनचंद गुलेच्छा परिवार फलोदी ने सभी तपस्वियों को मूंग के पानी से पारणा करवाया। उससे पूर्व समग्र दरला परिवार ने भालतिलक कर, सुमतिलाल पगारिया परिवार बिलावास ने माल्यार्पण कर तथा तेजराज सालेचा परिवार भोरड़ा ने श्रीफल अर्पित कर सभी तपस्वियों का सम्मान किया। उगमराज चोपड़ा परिवार भादराजून ने संघभक्ति का लाभ लिया।

गणि पद्मविमलसागर ने सभी विधियां सम्पन्न करायी। अशोक दांतेवाडिया ने बताया कि कार्यक्रमों में स्थानीय सेवार्थीयों के अलावा चेन्नई, बेंगलूरु, शिम्मोग्गा, चलकेरे, हिरियूर, कोप्पल, मंड्या आदि क्षेत्रों के स्वयंसेवकों ने प्रशंसनीय सेवाएं दी। प्रवीण दांतेवाडिया ने जानकारी दी कि अगले तपोत्सव के लिए आवेदन करने वाले साधकों का शनिवार दिनभर तांता लगा रहा।

सीबीडीटी ने आयकर विभाग से होटल, अस्पतालों में बड़े नकद लेनदेन की पहचान करने को कहा

नई दिल्ली/भाषा। देश में प्रत्यक्ष कर प्रशासन के शीर्ष निकाय केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने आयकर विभाग से होटल, लक्जरी ब्रांड की बिक्री, अस्पताल और आईवीएफ क्लीनिक जैसे व्यावसायिक क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर नकद लेनदेन की जांच करने को कहा है।

बोर्ड ने कहा कि यह जांच गैर जरूरी हस्तक्षेप के बिना होनी चाहिए। सीबीडीटी ने कर विभाग से बकाया मांगों की वसूली के लिए ठोस प्रयास करने को भी कहा है, जिसमें पिछले वित्त वर्ष से तेज वृद्धि देखने को मिली है। इस संबंध में बोर्ड ने हाल में केंद्रीय कार्य योजना (सीएपी) 2024-25 जारी की है। वरिष्ठ अधिकारियों ने पीटीआई-भाषा को बताया कि वित्तीय संस्थानों के दो लाख रुपए से अधिक के नकद लेनदेन को वित्तीय लेनदेन के विवरण (एसएफटी) के जरिये बताना आवश्यक था, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा था।

बोर्ड ने आयकर विभाग से कहा है कि ऐसी रिपोर्टों की जांच करने पर पाया गया कि इन प्रावधानों का उल्लंघन व्यापक रूप से किया जा रहा है। इसमें आगे कहा गया कि उच्च मूल्य वाले उपभोग व्यय को करदाता के बारे में जानकारी के साथ सत्यापित करने की जरूरी है। विभाग ने इस संबंध में होटल, बैंक्वेट हॉल, लक्जरी ब्रांड के खुदरा विक्रेताओं, आईवीएफ क्लीनिक, अस्पताल, डिजाइनर कपड़ों की दुकानों और एनआरआई कोटा मेडिकल कॉलेज सीटें की पहचान की है, जहां इन नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है और बड़ा नकदी लेनदेन हो रहा है।

शांतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ ट्रस्ट के नए पदाधिकारी बने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां एलएनपुरम् श्रीरामपुरम् के शांतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ ट्रस्ट की साधारण सभा गत दिनों सम्पन्न हुई। इसमें सर्वसम्मति से नई समिति का गठन किया गया।

ट्रस्ट के चेयरमैन शांतिलाल खिंवेसरा, रमेशचन्द भंडारी और विनोद संघवी बने। वहीं अध्यक्ष के रूप में सुरेश कुमार भंडारी, उपाध्यक्ष प्रश्नचन्द चंडालिया, सचिव नरेन्द्र आच्छा, सहसचिव चन्दनमल भंसाली, कोषाध्यक्ष सज्जनराज बरलोटा व जवरीलाल मुथा हैं। वहीं कार्यकारिणी में प्रकाश आच्छा, महेश आच्छा, चेतन झारमुथा, विकास आच्छा, दिनेश खिंवेसरा, पुनीत भंसाली को लिया गया। सभा में आय-व्यय का हिसाब प्रस्तुत किया गया। वह पर्युषण आराधना हेतु गुरुवर्या मणिप्रभाश्रीजी की शिष्या साध्वी गोयमयशाश्रीजी व सोहम यशाश्रीजी म. सा. पधारेंगे।

विभिन्न जांच शिविरों का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में तेरापंथ युवक परिषद द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डाइग्नोस्टिक सेंटर एवं डेंटल केयर श्रीनिवासनगर में लिपिड प्रोफाइल एवं थाइरोइड प्रोफाइल जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की शुरुआत नमस्कार महामन्त्र के सामूहिक मंगलाचरण से हुआ। लिपिड प्रोफाइल में टोटल कोलेस्ट्रॉल, एल डी एल कोलेस्ट्रॉल, वी एल डी एल कोलेस्ट्रॉल, एच डी एल कोलेस्ट्रॉल आदि की जांच की गई। शिविर के प्रायोजक प्रकाशचंद कमलेश कुमार झाबक परिवार (भीलवाड़ा) त्यागराजनगर रहे।

शिविर में 23 लोगों ने लाभ लिया। शिविर में पूर्व अध्यक्ष एवं एटीडीसी प्रभारी गौतम खाब्या, पूर्व अध्यक्ष धर्मेश कोठारी, पूर्व अध्यक्ष महावीर चावत, निवर्तमान अध्यक्ष अंकुश बैद, ललित बोहरा, परिषद उपाध्यक्ष राहुल मेहता और देवेंद्र आंचलिया, सहमंत्री नवरतन बोल्या और रक्षित लोढा, कोषाध्यक्ष धवल बोल्या, संगठन मंत्री संदीप बाबेल आदि उपस्थित थे। आभार ज्ञापित मंत्री संदीप चौधरी ने किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

रक्षाबंधन

बेंगलूरु में वनबंधु परिषद बेंगलूरु चैप्टर की महिला समिति द्वारा शनिवार को हाईग्राउन्ड ट्रैफिक पुलिस स्टेशन में रक्षाबंधन कार्यक्रम किया गया। महिला समिति के 9 सदस्यों ने इसमें भाग लिया। कांता काबरा ने सभी को एकल के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी, तत्पश्चात् लगभग 40 पुलिसकर्मियों को तिलक लगाकर, राखी बांधकर मिठाई के डिब्बे दिए गए।

कंकु चोपड़ा भाइपा परिवार का चुनाव संपन्न एवं निर्देशिका का विमोचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कंकुचोपडा भाइपा परिवार बेंगलूरु की प्रथम निर्देशिका का विमोचन किया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में नई कार्यकारिणी का गठन भी हुआ। इसमें डूंगरमल कंकुचोपड़ा अध्यक्ष और ताराचंद कंकुचोपड़ा मंत्री चुने गए।

गोडवाड़ भवन के महावीर मुछाला हॉल में आयोजित कार्यक्रम में महिला मंडल की सदस्यों ने मंगलाचरण किया। इसके बाद आगंतुक अतिथियों का स्वागत अध्यक्ष कांतिलाल कंकुचोपड़ा ने किया। प्रायोजक परिवार के गढ़विवाना के सुरेशकुमार, गौतमचंद कंकुचोपड़ा ने निर्देशिका का विमोचन किया।

संघ अध्यक्ष कांतिलाल, मंत्री डूंगरमल, सहमंत्री ताराचन्द, कोषाध्यक्ष अशोककुमार एवं समस्त कार्यकारिणी सदस्य, युवा मंच, महिला मंच के सदस्य कार्यक्रम के साक्षी रहे। अध्यक्ष कांतिलाल कंकुचोपड़ा ने निर्देशिका के लाभार्थी परिवार के सभी सदस्यों का स्वागत किया। इस अवसर पर निर्देशिका चेयरमैन ताराचंद कंकुचोपड़ा ने निर्देशिका को बहुमूल्य बताया। उन्होंने कहा कि ये निर्देशिका समाज का दर्पण भी है। इसके बाद आगामी क्रिकेट प्रतियोगिता के बारे में प्रवीण कुमार कंकुचोपड़ा ने विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर आगामी क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए प्रवीण कुमार कंकुचोपड़ा को चेयरमेन चुना गया। उसके पश्चात संघ की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें कांतिलाल कंकुचोपड़ा को चेयरमैन एवं अशोककुमार कंकुचोपड़ा और कपूरचंद (सोमवात) कंकुचोपड़ा को चेयरमेन नियुक्त किया गया।

संघ के प्रमुख पदाधिकारियों में डूंगरमल कंकुचोपड़ा को अध्यक्ष, गौतमचंद कंकुचोपड़ा उपाध्यक्ष, वीरचंद कंकुचोपड़ा उपाध्यक्ष, ताराचन्द कंकुचोपड़ा मंत्री, राकेश कंकुचोपड़ा सहमंत्री, दिनेश कुमार कंकुचोपड़ा कोषाध्यक्ष चुने गए। अंत में अशोककुआर कंकुचोपड़ा ने आभार जताया। बाद में सभी सदस्यों को निर्देशिका का वितरण किया गया।

आंगनवाड़ी कर्मियों के 3,000 और पद सृजित करेगी पंजाब सरकार: मान

बरनाला/भाषा। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शनिवार को कहा कि उनकी सरकार राज्य में आंगनवाड़ी कर्मियों के 3,000 नए पद सृजित करेगी।

मान ने रक्षा बंधन के अवसर पर यहां आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने इस संबंध में प्रक्रिया शुरू कर दी है तथा जल्द ही इन पदों के लिए भर्ती शुरू कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि यह महिलाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पेश करके उन्हें सशक्त बनाने की दिशा में एक कदम है।

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि राज्य सरकार एच.ए. (मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य) कार्यकर्ताओं की वास्तविक मांगों पर भी सक्रियता व सहानुभूतिपूर्वक विचार कर रही है।

जीवन में कुछ लक्ष्य निर्धारित करें : राजेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शांतिनगर के लुणावत जैन स्थानक में चातुर्मासार्थ विराजित राजेशमुनि ने अपने दैनिक प्रवचन में 'मद' पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मद हमारे आध्यात्मिक विकास में बाधक है। हमें जीवन में कुछ लक्ष्य निश्चित कर उसे हासिल करने का पुरुषार्थ करना चाहिए। मद और अहंकार से दूर रहकर हम हर लक्ष्य हासिल कर सकते हैं। फिर हम प्रमाद में नहीं रहेंगे और एक भी सांस व्यर्थ नहीं जाएगी। हर समय हमारा जीवन सिर्फ और सिर्फ कषायों में ही व्यर्थ हो रहा है। जीवन को बहुमूल्य समझने वाला अपना एक क्षण भी प्रमाद में नष्ट नहीं करता और लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रयत्नशील रहता है।

मुनिश्री ने कहा कि पुराने जमाने में खानदान देखकर संबंध किये जाते थे लेकिन अब व्यक्ति का खानदान पैसे से तोला जाता है। आत्म विकास हेतु हमें जिनशाषन के पाचों रंगों में रंग जाना है। यदि हम मद से भर गए तो हर रंग मैला हो जाएगा ।

हमारी आत्मा पर दाग लग जाएगा। आत्मबल सभी बलों का राजा होता है। हम अनंत विजय के स्वामी बनने का लक्ष्य से जिएं। आत्म बल के साथ शरीर का बल भी बढ़े ताकि उसके सहारे कर्मों का का क्षय कर सकेंगे। धर्म का व्यापार जितना बढेगा उसके सहारे धन भी बढ़ेगा। उस हेतु स्वाध्याय और ध्यान आवश्यक है। श्री रिषभ मुनि ने अप्रमत्त बनकर जीने का संदेश दिया। संघ के मंत्री छगनमल लुणावत ने संचालन किया।

पैगंबर के खिलाफ टिप्पणी के लिए रामगिरी महाराज पर ठाणे जिले में प्राथमिकी दर्ज

ठाणे/भाषा। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में पुलिस ने पैगंबर मोहम्मद और इस्लाम के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर हिंदू धर्म से जुड़े नेता रामगिरी महाराज के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया था कि हाल में नासिक जिले में सिन्नर तालुका के शाह पंचाले गांव में एक धार्मिक आयोजन के दौरान रामगिरी महाराज ने कथित आपत्तिजनक टिप्पणी की, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

मुंब्रा पुलिस ने रामगिरी महाराज के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 302 (धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के इरादे से बात कहना) और कई अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है, जिनमें धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाना, धर्म के आधार पर समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना, शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान करना और आपराधिक धमकी देने से संबंधित धाराएं शामिल हैं। रामगिरी महाराज के खिलाफ राज्य के नासिक और छत्रपति संभाजीनगर जिलों में भी प्राथमिकियां दर्ज हैं। रामगिरी महाराज ने कहा है कि उन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों के विरोध में यह बयान दिया था। उन्होंने शुक्रवार को कहा था, ''मेरा एकमात्र मकसद हिंदुओं को एकजुट करना था। अब जो भी होगा, मैं उसका सामना करूंगा। अगर मामला दर्ज हुआ है तो मैं नोटिस आने पर इसे देखूंगा।''

प्राचीन ज्ञान, दर्शन विकसित राष्ट्र की दिशा में मार्गदर्शक बन सकते हैं: एसोचैम महासचिव

मुंबई/भाषा। उद्योग मंडल एसोचैम के महासचिव दीपक सूद ने कहा कि भारत का प्राचीन ज्ञान और दर्शन विकसित राष्ट्र की दिशा में मार्गदर्शक बन सकता है। उन्होंने शुक्रवार देर शाम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर एक पुस्तक के विशेष विमोचन समारोह में कहा कि हाल के वर्षों में भारत ने जो वृद्धि और उन्नति देखी है, वह देश के नेतृत्व का परिणाम है। सूद ने कहा कि इस पुस्तक ने हमें बताया है कि हमने अपने लक्ष्य की ओर कितनी प्रगति की है। उन्होंने कहा, ''हमें प्राचीन ज्ञान और दर्शन का आशीर्वाद प्राप्त है, जो विकसित राष्ट्र की दिशा में हमारा मार्गदर्शक प्रकाश बन सकता है।''

बम की धमकी के बाद नवी मुंबई में मॉल खाली कराया

ठाणे/भाषा। नवी मुंबई के वाशी इलाके में स्थित एक प्रमुख मॉल को शनिवार को ई-मेल से मिली बम की धमकी के बाद खाली कराया गया। हालांकि मॉल की तलाशी के दौरान कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली और धमकी झूठी निकली। पुलिस ने यह जानकारी दी। वाशी पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि 'इनऑर्बिट मॉल' को सुबह करीब 11:59 बजे एक ई-मेल मिला जिसमें लिखा था, हैलो, मैंने इमारत में बम लगा दिए हैं, इमारत के अंदर मौजूद हर व्यक्ति मारा जाएगा।

अधिकारी ने बताया कि मॉल को तुरंत खाली करा लिया गया और बम निरोधक दस्ते, एटीएस अधिकारियों, अग्निशमन कर्मियों और पुलिस ने श्वान दस्ते के साथ तलाशी ली। कोई बम या संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। उन्होंने कहा, तलाशी दोपहर करीब 2:50 बजे खत्म हुई, जिसके बाद करीब तीन बजे मॉल को लोगों के लिए फिर से खोल दिया गया।

हिमाचल प्रदेश में बादल फटने से कई मार्ग अवरुद्ध, सेब के बगीचे भी क्षतिग्रस्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के सेब उत्पादक क्षेत्र में बादल फटने से देर रात अचानक आई बाढ़ के कारण रोहड़-रामपुर मार्ग क्षतिग्रस्त हो गया। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि शिमला जिले के रामपुर क्षेत्र में देर रात बादल फटने से राष्ट्रीय राजमार्ग पांच सहित 132 सड़कों पर आवाजाही ठप हो गई। उन्होंने बताया कि किन्नौर के नेगुलसारी 'स्लाइडिंग प्वाइंट' के समीप भूस्खलन के कारण क्षेत्र का शिमला जिले से संपर्क टूट गया। भूस्खलन के कारण बिजली आपूर्ति भी प्रभावित हुई है।

अधिकारियों ने बताया कि सिरमौर व चंबा जिलों में भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ के कारण सड़कें अवरुद्ध होने की भी खबरें हैं।

शिमला के उपायुक्त अनुपम कश्यप ने बताया कि रामपुर की तकलोपच पंचायत में बादल फटने से कई बाग-बगीचे तबाह हो गए हालांकि किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। उन्होंने बताया कि क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत और पानी व बिजली आपूर्ति बहाल करने के निर्देश दे दिए गए हैं।

अधिकारी ने बताया कि खोल्टी नाले के पास रामपुर-रोहड़ू मार्ग कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त हो गया और एक पुल बह गया।

गांव में रहने वाले संजय कुमार ने बताया कि किसान, खास तौर पर सेब उत्पादक इस बात को लेकर बेहद चिंतित हैं कि फसल का मौसम आ चुका है और सेब की फसल को बाजार तक पहुंचाना मुश्किल हो जाएगा।

पुलिस अधीक्षक (शिमला) संजीव कुमार गांधी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि क्षतिग्रस्त सड़कों को जल्द से जल्द खोलने के निर्देश दिए गए हैं ताकि सेब उत्पादकों को नुकसान न हो।

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र ने बताया कि शिमला में 72 सड़कें, मंडी में 31, कांगड़ा में नौ, कुल्लू में आठ, किन्नौर में चार, सिरमौर में तीन, चंबा में दो और हमीरपुर, ऊना व लाहौल एवं स्पीति जिलों में एक-एक सड़क अवरुद्ध है। रामपुर क्षेत्र में 31 जुलाई के बाद से बादल फटने की यह दूसरी बड़ी घटना है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
उपलब्ध
FLATS FOR SALE
DNR HIGHLINE
@ OKALIPURAM
near LULU Mall
Rajajinagar
Centre of the City
3 & 4 Bedroom
FLATS with 7 Star
Luxurious Amenities
Only Few Flats
available for Sale
Contact : 9844027560

अधिकांश श्रमिक नौकरियों में मासिक वेतन 20,000 रुपए से कम : रिपोर्ट

मुंबई/भाषा। भारत में कारखानों में या अन्य श्रम प्रधान नौकरियों (ब्लू-कॉलर) में ज्यादातर का वेतन 20,000 रुपए प्रति माह या उससे कम है।

एक रिपोर्ट में कहा गया कि इससे पता चलता है कि कार्यबल का एक बड़ा हिस्सा वित्तीय तनाव से जूझ रहा है, तथा आवास, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा जैसी मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रहा है। प्रौद्योगिकी से जुड़े श्रम प्रधान भर्ती मंच वर्कइंडिया ने रिपोर्ट में कहा कि 57.63 प्रतिशत से अधिक श्रम प्रधान नौकरियां 20,000 रुपए प्रति माह या उससे कम वेतन सीमा में आती हैं। यह दर्शाता है कि कई श्रमिक न्यूनतम मजदूरी के करीब कमाते हैं।

रिपोर्ट से पता चला है कि लगभग 29.34 प्रतिशत श्रम प्रधान नौकरियां मध्यम आय वर्ग में हैं, जिनमें वेतन 20,000-40,000 रुपए प्रति माह है। इसमें कहा गया है कि इस श्रेणी में आने वाले श्रमिकों को वित्तीय सुरक्षा में मामूली सुधार का अनुभव होता है, लेकिन वे आरामदायक जीवन स्तर प्राप्त करने से बहुत दूर हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इस सीमा में आय से आवश्यकताएं तो पूरी हो जाती हैं, लेकिन बचत या निवेश के लिए बहुत कम गुंजाइश बचती है, जो इस श्रेणी के कार्यबल के एक बड़े हिस्से की आर्थिक कमजोरी को उजागर करता है। वर्कइंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और सह-संस्थापक नीलेश डूंगरवाल ने पीटीआई-भाषा से कहा, आंकड़ों से पता चलता है कि श्रम क्षेत्र में कम वेतन वाली नौकरियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और उच्च आय के लिए सीमित अवसर हैं।

मुकदमा चलाने की अनुमति देना 'असंवैधानिक' और 'अलोकतांत्रिक' है

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने 'मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) भूमि आवंटन घोटाले' के संबंध में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा दी गई अनुमति को शनिवार को 'असंवैधानिक' और 'अलोकतांत्रिक' करार दिया। शिवकुमार ने कहा कि पूरी सरकार मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के साथ मजबूती से खड़ी है और वह अपने पद पर बने रहेंगे। शिवकुमार ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, राज्यपाल ने अपने सचिव के माध्यम से (मुख्यमंत्री को) एक असंवैधानिक और लोकतंत्र विरोधी पत्र भेजा है। उपमुख्यमंत्री ने सिद्दरामय्या और मुख्य सचिव शालिनी रजनीश को भेजे गए उस पत्र का जिक्र करते हुए यह बात कही, जिसमें उन्हें सूचित किया गया था कि मुख्यमंत्री के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति दे दी गई है। शिवकुमार ने कहा, पूरा राज्य, कांग्रेस पार्टी– चाहे विधायक हों या मंत्रिमंडल– सब सिद्दरामय्या के पीछे खड़े हैं। वह मेरे मुख्यमंत्री हैं, वह मुख्यमंत्री रहेंगे। हम उनके पीछे मजबूती से खड़े हैं। पार्टी मामले में उनका समर्थन करने के लिए उचित योजना बनाएगी। कोई मामला बनता ही नहीं है। उन्होंने बिना किसी मामले के मामला बना दिया है। उन्होंने कहा, हम कानूनी दायरे में रहकर और वैध तरीके से इससे लड़ेंगे। इसके अलावा, हमारी सरकार लोगों के बीच जाकर, उन्हें समझाकर और लोगों के समर्थन से इस मामले में राजनीतिक रूप से भी लड़ने के लिए प्रतिबद्ध है।

भाजपा द्वारा नियुक्त राज्यपाल गैर-भाजपा शासित राज्यों में समस्या पैदा कर रहे हैं

बेंगलूरु। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा एमयूडीए (मुडा) भूमि आवंटन घोटाले में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति दिए जाने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को कहा कि भाजपा द्वारा नियुक्त राज्यपाल गैर–भाजपा शासित राज्यों के लिए परेशानी खड़ी कर रहे हैं। खरगे ने कहा कि उन्हें यह देखना होगा कि गहलोत ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री पर मुकदमा चलाने की अनुमति क्यों दी।

खरगे ने यहां बेंगलूरु में संवाददाताओं से कहा, मैंने न तो इसे देखा है और न ही मुझे पता है कि नोटिस किस बारे में है। मैंने अनुमति के लिए बताए गए कारणों को भी नहीं देखा है। मैं अभी यह नहीं कह सकता कि नोटिस सही है या गलत। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, एक और बात यह है कि भाजपा द्वारा नियुक्त राज्यपाल जहां भी हैं, चाहे वह पश्चिम बंगाल हो, कर्नाटक हो, तमिलनाडु हो या जहां भी गैर–भाजपा सरकारें (राज्यों में) हैं, वे और अधिक परेशानी खड़ी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह मामले का विवरण प्राप्त करने और वकीलों से परामर्श करने के बाद प्रतिक्रिया देना पसंद करेंगे।

भाजपा निम्न स्तर की राजनीति में शामिल है

मेंगलूरु। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडु राव ने राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) में वैकल्पिक भूखंड आवंटन से जुड़े कथित घोटाले में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या पर मुकदमा चलाने की मंजूरी दिए जाने को शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की 'निम्न स्तर की साजिश'' बताया। उन्होंने कहा कि इस कदम के बाद मुख्यमंत्री और मजबूत होकर उभरेंगे। राव ने यहां पत्रकारों से कहा, ''मुख्यमंत्री मजबूत होकर उभरे हैं। जितना आप उनके पीछे पड़ेंगे, वह उतने ही मजबूत होकर उभरेंगे।'' राव ने कहा कि सिद्दरामय्या को राजनीतिक रूप से खत्म करने की साजिश के लिए भाजपा को परिणाम भुगतने होंगे। उन्होंने कहा, ''भाजपा की अनैतिक और निम्न स्तर की राजनीतिक साजिश अब साबित हो गई है।'' राव ने कहा कि एमयूडीए घोटाले में कथित भूमिका के लिए सिद्दरामय्या के इस्तीफे की मांग को लेकर बेंगलूरु से मैसूरु तक भाजपा की पदयात्रा विफल रही जबकि कांग्रेस की जनसभाओं को भारी जन प्रतिक्रिया मिली। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, आप उन पर जितना निशाना साधेंगे, वह उतने मजबूत होंगे, वह उतने ही लोकप्रिय होंगे और लोग उनके पीछे खड़े रहेंगे। वह लोगों की सेवा कर बहुत अच्छा काम कर रहे हैं।

राज्यपाल के कार्यालय का दुरुपयोग किया गया है

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री परमेश्वर ने राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) में वैकल्पिक भूखंड आवंटन के घोटाले के संबंध में मुख्यमंत्री सिद्दरमैया पर मुकदमा चलाने की मंजूरी दिए जाने की निंदा करते हुए शनिवार को कहा कि राज्यपाल के कार्यालय का 'दुरुपयोग' किया गया है। उन्होंने दावा किया कि राज्यपाल गहलोत पर ऊपर से दबाव था, जो अब साबित हो गया है। परमेश्वर ने यहां पत्रकारों से कहा, यह साफ है कि ऊपर से दबाव है। ऐसी कोई स्पष्ट सूचना नहीं है कि मुख्यमंत्री ने कोई निर्देश दिया था या कोई मौखिक निर्देश दिया था। फिर भी सिद्दरमैया को कारण बताओ नोटिस दिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया, हमने राज्यपाल के कारण बताओ नोटिस के बाद हर छोटी जानकारी के साथ स्पष्ट रूप से बताया था कि उन्हें (मुख्यमंत्री) कैसे फंसाया गया है... अगर राज्यपाल अनुमति भी देते हैं तो हमें स्वाभाविक रूप से लगता है कि ऊपर से दबाव था। परमेश्वर ने कहा, हम शुरुआत से यह कह रहे हैं कि राज्यपाल के कार्यालय का दुरुपयोग किया गया है। अब यह साबित हो गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कानूनी रूप से इससे लड़ेंगे।

ये मोदी सरकार की राजनीतिक प्रतिशोध से प्रेरित कार्रवाई है

बेंगलूरु। कांग्रेस महासचिव एवं कर्नाटक प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने शनिवार को राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा 'मुडा भूखंड घोटाले' में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या पर मुकदमा चलाने की अनुमति को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की 'राजनीतिक प्रतिशोध'' की कार्रवाई करार दिया। सुरजेवाला ने कहा कि कांग्रेस पार्टी कानूनी तरीके से लड़ाई लड़ेगी। सुरजेवाला ने आरोप लगाया कि ''यह निर्णय राज्यपाल द्वारा किया गया शर्मनाक ''असंवैधानिक कृत्य'' है, जो भाजपा की साजिश को आगे बढ़ाने के लिए कानून और संविधान को ध्वस्त करने पर आमादा हैं। कांग्रेस नेता ने एक बयान में आरोप लगाया, कर्नाटक की जनता और उसकी निर्वाचित सरकार के खिलाफ दिल्ली में प्रधानमंत्री कार्यालय और गृह मंत्रालय के गलियारों में रची गई एक शर्मनाक राजनीतिक साजिश के तहत कर्नाटक के 'कठपुतली राज्यपाल' ने अपने राजनीतिक आकाओं के इशारे पर मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी दी है।''

आम व्यक्ति के तौर पर मुडा मामले का सामना करना चाहिए

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद लहर सिंह सिरोया ने शनिवार को कहा कि एमयूडीए घोटाले को लेकर सिद्दरामय्या पर व्यक्तिगत आरोप लगे हैं, ऐसे में उन्हें मुख्यमंत्री के तौर पर नहीं बल्कि आम व्यक्ति की तरह इनका सामना करना चाहिए। राज्यसभा सदस्य सिरोया ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, एमयूडीए घोटाले में श्री सिद्दरामय्या, उनकी पत्नी और परिवार पर विशुद्ध रूप से व्यक्तिगत आरोप लगे हैं। यह उनके स्वामित्व वाली निजी भूमि से संबंधित मामला है। उन्हें राज्य सरकार की मशीनरी का इस्तेमाल करके एक मुख्यमंत्री के रूप में नहीं, बल्कि एक आम व्यक्ति की तरह इसका सामना करना चाहिए। मुझे विश्वास है कि मुख्यमंत्री को दोनों के बीच अंतर पता है।

मैंने ऐसा कोई गलत काम नहीं किया है कि इस्तीफा देना पड़े : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) भूखंड आवंटन घोटाले' के संबंध में राज्यपाल द्वारा उनके खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दिए जाने के बाद शनिवार को इस्तीफा देने से इनकार करते हुए कहा कि उन्होंने कोई गलत काम नहीं किया है। सिद्दरामय्या ने राज्यपाल थावरचंद गहलोत के फैसले को संविधान विरोधी और कानून के खिलाफ'' बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पर अदालत में वह कानूनी रूप से इसका सामना करेंगे।

सिद्दरामय्या ने संवाददाताओं से कहा, ''यह निर्वाचित सरकार को हटाने की एक बड़ी साजिश है। उन्होंने (भाजपा) दिल्ली, झारखंड समेत कई राज्यों में ऐसा किया है। कर्नाटक में भी निर्वाचित सरकार को अस्थिर करने की साजिश रची गई है। केंद्र सरकार, भाजपा, जद (एस) और अन्य इस साजिश में शामिल हैं।'' उन्होंने कहा, ''(कांग्रेस का) आलाकमान मेरे साथ है, पूरा मंत्रिमंडल और सरकार मेरे साथ है। सभी कांग्रेस विधायक, विधान पार्षद, लोकसभा और राज्यसभा सदस्य मेरे साथ हैं...मैंने ऐसा कोई गलत काम नहीं किया है कि इस्तीफा देना पड़े।''

विपक्षी दलों पर गलत काम करने और गैरकानूनी तथा संविधान विरोधी कदम उठाने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा, वे राजभवन को राजनीतिक मोहरे के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। राज्यपाल केंद्र सरकार के हाथों की कठपुतली की तरह काम कर रहे हैं।'' राज्यपाल ने प्रदीप कुमार एस पी, टी जे अब्राहम और स्नेहमयी कृष्णा की याचिकाओं में उल्लिखित कथित अपराधों के लिए भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 17 ए और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 218 के तहत मुख्यमंत्री के खिलाफ मंजूरी दी है।

सिद्दरामय्या ने कहा कि उन्हें राज्यपाल द्वारा इस तरह के निर्णय की उम्मीद थी। मुख्यमंत्री ने कहा, हमें इसकी उम्मीद थी। जब राज्यपाल ने 26 जुलाई को, जिस दिन उन्हें याचिका प्राप्त हुई, उसी दिन मुझे कारण बताओ नोटिस जारी किया। इसका क्या मतलब है। मुख्यमंत्री ने कहा, नवंबर से जद(एस) नेता (अब केंद्रीय मंत्री) एच डी कुमारस्वामी के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी के अनुरोध वाली याचिका दायर की गई, इसके अलावा भाजपा के पूर्व मंत्रियों शशिकला जोले, मुरुगेश निरानी और जनार्दन रेड्डी के खिलाफ भी याचिकाएं हैं। उन सभी को छोड़कर, अगर मुझे नोटिस जारी किया गया, तो इसका क्या मतलब है?

मुख्यमंत्री के खिलाफ मुकदमे की मंजूरी के लिए भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम के तहत राज्यपाल सक्षम प्राधिकारी

बेंगलूरु/नई दिल्ली। भ्रष्टाचार निवारण पर 1988 के कानून के तहत किसी मुख्यमंत्री या मंत्री के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले में जांच और मुकदमा चलाने की मंजूरी देने के लिए राज्यपाल सक्षम प्राधिकारी हैं। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने 'मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) भूखंड आवंटन घोटाले'' के संबंध में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए शनिवार को मंजूरी दे दी।

कर्नाटक के राज्यपाल सचिवालय ने कथित अपराधों के लिए भ्रष्टाचार निवारण (पीसी) अधिनियम, 1988 की धारा 17 और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 218 के तहत सिद्दरामय्या के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी के अनुरोध को स्वीकार कर लिया। कानून के तहत मुख्यमंत्री के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी देने के लिए राज्यपाल सक्षम प्राधिकारी हैं और कानूनी स्थिति के मद्देनजर आरोपी को पद से हटाने के लिए सक्षम प्राधिकारी द्वारा मंजूरी दी जानी चाहिए। एक संशोधन के माध्यम से 2018 में शामिल की गई पीसी अधिनियम की धारा 17ए का उद्देश्य लोकसेवकों को उनके आधिकारिक निर्णयों से संबंधित कथित अपराधों की जांच से बचाना है और एक लोकसेवक पर मुकदमा चलाने की मंजूरी देने के लिए प्रक्रियात्मक विवरण प्रदान करना है।

रक्षा बंधन मुहूर्त

रक्षाबंधन का त्योहार श्रावण सुदी पूर्णिमा 19 अगस्त सोमवार को मनाया जाएगा। पूर्णिमा तिथि प्रारंभ होते ही भद्रा भी लग जाएगी, शास्त्रों में भद्रा काल में रक्षासूत्र बांधना व श्रावणी पर्व मनाने का निषेध कहा गया है और इस दिन भद्रा दिन में 1:34 बजे तक रहेगी। भद्रा उपरांत ही अपने भाई के रक्षासूत्र बांधना ज्यादा उपयुक्त रहेगा।

रक्षा बंधन के लिए शुभ मुहूर्त :

दिन में 1.56 बजे से 3.30 बजे तक चल का चौघड़िया, 3.30 बजे से 6.38 बजे तक लाभ–अमृत का चौघड़िया व रात्रि 6.38 बजे से 8.04 बजे तक चल का चौघड़िया रहेगा। इस शुभ समय में रक्षाबंधन का पर्व मनाना शुभ रहेगा।

पंडित जगदीश आचार्य
मोबाइल : 9448417398

'मुडा घोटाला' पर 'कैविएट' दायर की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। 'मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) भूखंड आवंटन घोटाला' मामले के शिकायतकर्ताओं में से एक ने शनिवार को कर्नाटक उच्च न्यायालय में एक 'कैविएट' दायर की। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने मुडा भूमि आवंटन घोटाले' के संबंध में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दे दी है, जिसके बाद यह 'कैविएट' दायर की गई।

कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार अब कैविएट दायर होने के बाद, किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले अदालत को मूल शिकायतकर्ता का पक्ष सुनना होगा। कैविएट दाखिल करने के बाद प्रदीप कुमार ने मीडिया से कहा, मैंने कैविएट दाखिल की है, क्योंकि कानूनी प्रावधानों के तहत सिद्दरामय्या राहत के लिए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटा सकते हैं।

कैविएट दाखिल न होने की स्थिति में उन्हें दूसरे पक्ष की दलीलें सुने बिना राहत मिल सकती थी। इसलिए, मैंने कैविएट दाखिल की है। कर्नाटक सरकार या मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने अभी तक मुकदमा चलाये जाने की मंजूरी से संबंधित कोई कानूनी कदम नहीं उठाया है। मामले में एक अन्य शिकायतकर्ता टी. जे. अब्राहम ने कहा कि वह सोमवार को कैविएट दाखिल करेंगे।

भाजपा ने की मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई ने एमयूडीए भूमि आवंटन घोटाला' मामले में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के खिलाफ मुकदमा चलाए जाने को लेकर राज्यपाल थावरचंद गहलोत की मंजूरी के बाद शनिवार को सिद्दरामय्या के इस्तीफे की मांग की और कहा कि वह इस पद पर बने रहने का नैतिक अधिकार खो चुके हैं।

पार्टी ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में अपने सहयोगी दल जनता दल (सेक्युलर) के साथ मिलकर तीन से 10 अगस्त तक बेंगलूरु से मैसूरु तक पैदल मार्च निकाला था, जिसमें 'घोटाले' को लेकर सिद्दरामय्या को निशाना बनाया गया था।

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर. अशोक ने यहां पत्रकारों से कहा, सिद्दरामय्या को मुख्यमंत्री बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा, कर्नाटक की कांग्रेस सरकार भ्रष्ट है, जो लूट में विश्वास करती है। यहां की सरकार दिल्ली (पार्टी आलाकमान) के एटीएम की तरह काम करती है। पिछले 15 महीने में कोई विकास कार्य नहीं हुआ है। गड्ढों को भरने के लिए पैसे नहीं हैं।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने कहा कि मुख्यमंत्री के इस्तीफे से पारदर्शी और निष्पक्ष जांच हो सकेगी। विजयेंद्र ने कहा कि राज्यपाल ने 'मुडा घोटाले' से संबंधित शिकायत पर अपनी संवैधानिक शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए मुख्यमंत्री के खिलाफ कानूनी कार्रवाई को मंजूरी दी है। उन्होंने कहा, कांग्रेस सरकार में भ्रष्टाचार और पक्षपात के पर्याप्त सबूत और गंभीर आरोपों को देखते हुए यह महत्वपूर्ण है कि मुख्यमंत्री पद छोड़ दें। भाजपा सांसद और पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टर ने भी कहा कि सिद्दरामय्या को 'नैतिक जिम्मेदारी' लेते हुए अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।

शेट्टर ने कहा, यह सिद्दरामय्या पर निर्भर करता है कि वह अभियोजन शुरू होने तक पद पर बने रहेंगे या तुरंत इस्तीफा दे देंगे, लेकिन मैं कहना चाहता हूं कि उन्हें नैतिक आधार पर इस्तीफा दे देना चाहिए और निष्पक्ष जांच का मार्ग प्रशस्त करना चाहिए। केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने भी सिद्दरामय्या से मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि इस्तीफे के बाद ही मुडा घोटाले की निष्पक्ष जांच हो पाएगी।

कांग्रेस की 'भ्रष्टाचार की विरासत' जारी है : नड्डा

नई दिल्ली/दक्षिण भारत। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने कथित मुडा घोटाले को लेकर शनिवार को कांग्रेस पर हमला बोला और आरोप लगाया कि यह पार्टी के पाखंड और परिवारवाद की राजनीति का एक और उदाहरण है। 'मुडा भूमि आवंटन घोटाले' में यह आरोप लगाया गया है कि सिद्दरामय्या की पत्नी पार्वती को मैसूरु के एक पॉश इलाके में भूमि आवंटित की गई थी, जिसका मूल्य उनके उस स्थान की तुलना में अधिक था, जिसे मुडा ने ''अधिगृहीत'' किया था।

नड्डा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में आरोप लगाया, कांग्रेस पार्टी की भ्रष्टाचार की विरासत जारी है। नेशनल हेराल्ड से लेकर कर्नाटक के एमयूडीए घोटाले तक, कांग्रेस का भ्रष्टाचार इतिहास में पूरी तरह से जगजाहिर है। उन्होंने निजी लाभ के लिए बार–बार लोगों का भरोसा तोड़ा है। भाजपा अध्यक्ष ने दावा किया, कांग्रेस खुद को दलितों और अल्पसंख्यकों का संरक्षक बताती है, लेकिन उनके ही एक मुख्यमंत्री दलित परिवार की जमीन हड़पने में शामिल हैं। यह कांग्रेस के पाखंड और परिवारवाद की राजनीति का एक और उदाहरण है। इस मामले में सिद्दरामय्या के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी देने के कर्नाटक के राज्यपाल के फैसले पर नड्डा ने कहा कि इस फैसले को असंवैधानिक कहने के बजाय कांग्रेस को अपने गिरेबां में झांकना चाहिए।

एसएलबीसी की बैठक में अध्यक्ष ने उपलब्धियों के लिए बैंकर्स की सराहना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। एसएलबीसी की 166वीं बैठक बुधवार को शांतला नगर के चांसरी पैवेलियन में हुई। कर्नाटक की मुख्य सचिव डॉ. शालिनी रजनीश ने बैठक की अध्यक्षता की और सभी संबंधित विभागों और बैंकर्स को पीएमजेजेबीवाई और पीएमएसबीवाई के तहत पात्र लोगों को कवर करने की सलाह दी। उन्होंने पहली तिमाही के दौरान 79 प्रतिशत का सीडी अनुपात हासिल करने के लिए सभी बैंकर्स की सराहना की। उन्होंने किसान क्रेडिट कार्ड के अंतर्गत पात्र सभी सीमांत और कम जमीनों से ताल्लुक रखने वाले किसानों को शामिल करने का आग्रह किया।

मुख्य सचिव ने यह भी कहा कि 30 जून तक कृषि क्षेत्र के अंतर्गत 192201 करोड़ रुपए के लक्ष्य के मुकाबले 55056 करोड़ रुपए प्राप्त किए गए और पहली तिमाही में ही आवंटित लक्ष्य का 29 प्रतिशत हासिल किया गया। एमएसएमई के अंतर्गत बैंकों ने 42 प्रतिशत और कुल प्राथमिकता क्षेत्र ने 34 प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया है। वहीं, प्राथमिकता शिक्षा के अंतर्गत प्रदर्शन (15 प्रतिशत) अपेक्षा के अनुरूप नहीं है। उन्होंने बैंकर्स से वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए सभी मापदंडों के तहत निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने का आग्रह किया।

भारतीय रिजर्व बैंक की क्षेत्रीय निदेशक सोनाली सेन गुप्ता ने बैठक में भाग लिया और जून में समाप्त तिमाही के लिए एसीपी के तहत अच्छे प्रदर्शन के लिए सभी बैंकर्स की सराहना की। केनरा बैंक के कार्यकारी निदेशक भावेंद्र कुमार ने बैठक की सह–अध्यक्षता की और मुद्रा तथा पीएम स्वनिधि योजनाओं के तहत बैंकर्स के अच्छे प्रदर्शन की सराहना की। इसके साथ ही उन्होंने सभी बैंकर्स से अनुरोध किया कि वे सरकारी योजनाओं में शीर्ष स्थान प्राप्त करें और कर्नाटक को सभी मापदंडों में अव्वल बनाएं।

बैठक में कर्नाटक के वित्त विभाग (राजकोषीय सुधार) सचिव डॉ. विशाल आर, नाबार्ड के महाप्रबंधक पीसी दाश, एसएलबीसी कर्नाटक के संयोजक एवं केनरा बैंक के सीजीएम केजे श्रीकांत और सभी बैंकों के राज्य नियंत्रण प्रमुख तथा अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

कर्नाटक मंत्रिमंडल ने राज्यपाल के फैसले की निंदा की

बेंगलूरु। कर्नाटक मंत्रिमंडल ने 'मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) भूखंड आवंटन घोटाला' मामले में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी देने संबंधी राज्यपाल थावरचंद गहलोत के फैसले की शनिवार को निंदा की। राज्यपाल की कार्रवाई को 'राजनीति से प्रेरित'' बताते हुए सिद्दरामय्या ने कहा, 'हम कानूनी लड़ाई लड़ेंगे।' मुख्यमंत्री ने मंत्रिमंडल की एक विशेष बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, मंत्रिमंडल ने मेरे खिलाफ मुकदमा चलाये जाने की मंजूरी देने संबंधी राज्यपाल के फैसले की निंदा की और इसे अवैध और संविधान विरोधी बताया है।

कोलकाता में महिला डॉक्टर से हुए बलात्कार और हत्या कांड का विरोध जताते हुए बेंगलूरु में किम्स, विक्टोरिया और वाणीविलास अस्पताल के डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों ने एक रैली निकाली और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया।

कोलकाता डॉक्टर की हत्या

कर्नाटक में चिकित्सकों ने न्याय की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के सदस्य कोलकाता में एक महिला चिकित्सक के साथ बलात्कार और उसकी हत्या की घटना की निंदा करते हुए शनिवार को देशव्यापी विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। कोलकाता के एक अस्पताल में कथित रूप से बलात्कार और हत्या की शिकार हुई 31 वर्षीय प्रशिक्षु चिकित्सक के लिए न्याय की मांग करते हुए दक्षिणी राज्य के कई हिस्सों में चिकित्सक विरोध जुलूस निकाल रहे हैं। बेंगलूरु के चामराजपेट में आईएमए कार्यालय में आंदोलन हो रहा है जिसमें 1,000 से अधिक चिकित्सक भाग ले रहे हैं।

आईएमए की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष श्रीनिवास एस ने पीटीआई–भाषा को बताया कि पूरे कर्नाटक में इसकी शाखाएं बंद रहेंगी और कहीं भी ओपीडी सेवाएं नहीं होंगी। उन्होंने कहा, हम बस इस युवा महिला चिकित्सक के लिए न्याय चाहते हैं, जिसके साथ बेरहमी से बलात्कार किया गया और फिर उसकी हत्या कर दी गई। उसके साथ जो हुआ वह पूरी तरह से अस्वीकार्य है। हम इसमें कोई राजनीतिक भागीदारी नहीं चाहते। अन्य पेशेवरों की तरह चिकित्सक भी संवेदनशील क्षेत्रों में काम कर रहे हैं और इसलिए हम चिकित्सकों की सुरक्षा के लिए एक केंद्रीय कानून चाहते हैं। आईएमए की अन्य मांगों में अस्पतालों में चौबीसों घंटे काम करने वाले चिकित्सकों के लिए सुरक्षित क्षेत्र और विश्राम कक्षों की स्थापना, प्रत्येक अस्पताल में पर्याप्त संख्या में सीसीटीवी कैमरे लगाना शामिल हैं। चिकित्सकों पर हमले की घटनाओं की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अस्पतालों में पुलिसकर्मियों को भी तैनात किया जाना चाहिए।

राज्यपाल के आदेश पर कांग्रेस का प्रदर्शन

मैसूरु/दक्षिण भारत। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शनिवार को कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा एमयूडीए भूमि आवंटन घोटाले' में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति दिए जाने के विरोध में बेंगलूरु, मैसूरु, मांड्या और राज्य के कई अन्य हिस्सों में प्रदर्शन किया। बेंगलूरु में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और कर्नाटक प्रदेश कुरुबारा संघ के सदस्यों ने राज्यपाल को हटाने की मांग को लेकर गांधी नगर में विरोध–प्रदर्शन किया। गहलोत विरोधी नारे लगाते हुए उन्होंने राज्यपाल का पुतला भी जलाया। प्रदर्शनकारियों के हाथों में तख्तियां थीं, जिन पर लिखा था, राज्यपाल हटाओ, राज्य बचाओ'' । सिद्दरामय्या के समर्थन में राज्य के अन्य भागों में भी इसी तरह के विरोध प्रदर्शन किए गए, जिनमें मांड्या और दावणगेरे भी शामिल हैं। मैसूरु में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने 'राज्यपाल वापस जाओ' की तख्तियां लिए जनविरोधी भाजपा और जद (एस) मुर्दाबाद, भाजपा के एजेंट 'राज्यपाल मुर्दाबाद' के नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि सिद्दरामय्या के खिलाफ साजिश रची जा रही है, जो अल्पसंख्यकों, पिछड़े वर्गों, दलितों और आदिवासियों के नेता हैं।

उन्होंने सिद्दरामय्या के गृह जिले में विरोध प्रदर्शन करते हुए टायर भी जलाए। मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) भूमि आवंटन घोटाले' के संबंध में सिद्दरामय्या के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी देते हुए गहलोत ने कहा कि निष्पक्ष और गैर–पक्षपातपूर्ण जांच करना बहुत जरूरी है।

कमांडेंट कार्यालय, 9वीं बटालियन आई.टी.बी. पुलिस बल
गृह मंत्रालय (भारत सरकार), पिन–934409, सी/ओ 99 एपीओ

सूचना / NOTICE

आरईजीटी नं. 230090366 सीटी/जीडी (आरईसीटीटी) सरगर सिद्रय्या महादेव पुत्र श्री महादेव तमन्ना सरगर, गांव– यादवनहल्ली, पोस्ट– यादवनहल्ली, थाना– अट्टीबेले, तहसील – अनेकल, जिला – बेंगलूरु, कर्नाटक–562107 आरटीसी किमिन परिसर से सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना 27.11.2023 से अनुपस्थित हैं।

आपको डीआईजी, आरटीसी किमिन कार्यालय मेमो नं. 2997 दिनांक: 28.11.2023 द्वारा तुरंत ड्यूटी पर रिपोर्ट करने का निर्देश दिया गया था, लेकिन न तो आपने रिपोर्ट की और न ही आपकी ओर से कोई सूचना प्राप्त हुई।

संबंधित जिला पुलिस अधीक्षक बेंगलूरु (कर्नाटक) को भी आपको गिरफ्तार करने और डीआईजी, आरटीसी किमिन / 9वीं बटालियन आईटीबी पुलिस को आरटीसी किमिन पत्र संख्या 2509–18 दिनांक 18.12.23 द्वारा सौंपने का अनुरोध किया गया था।

आईटीबीपी अधिनियम 1992 धारा 74(1) में निहित प्रावधान के अनुसार डीआईजी, आरटीसी किमिन आदेश सं. 09 दिनांक 04.01.2024 द्वारा इस संबंध में कोर्ट ऑफ इंक्वायरी आयोजित की गई थी।

2. सीओआई बोर्ड की अनुशंसा के अनुसार, आपको इस कार्यालय आदेश संख्या 1421 दिनांक 25.02.24 के तहत आईटीबीपी अधिनियम 1992 की धारा 74(2) के प्रावधान के अनुसार 27.11.2023 से बल से ''**भगोड़ा**'' घोषित किया गया है और इसकी प्रतिलिपि पहले ही पंजीकृत डाक के माध्यम से आपके स्थायी घर के पते पर भेज दी गई है।

3. आपको पुनः निर्देश दिया जाता है कि नोटिस के प्रकाशन से 15 दिनों के भीतर अपना कार्यभार ग्रहण कर लें, अन्यथा आपको बिना कोई अतिरिक्त सूचना या नोटिस दिए ''**सेवा से बर्खास्त**'' कर दिया जाएगा।

CBC 19112/11/0109/2425 **कमांडेंट**

चिकित्सकों की हड़ताल के कारण चिकित्सा सेवाएं प्रभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पश्चिम बंगाल में रेजिडेंट महिला चिकित्सक से बलात्कार और हत्या के विरोध में इंडियन मेडिकल एसोशिएशन (आईएमए) के एक दिन की हड़ताल के आह्वान के बाद शनिवार को राजस्थान में चिकित्सक सेवाएं प्रभावित हुई। राजस्थान के लगभग सभी सरकारी अस्पतालों में ओपीडी सेवाओं का बहिष्कार किया गया तथा वार्ड में भी व्यवस्थाएं प्रभावित हुईं हालांकि आपातकालीन सेवाएं चालू रहीं। आईएमए जयपुर के एक प्रतिनिधि ने बताया कि आईएमए के राष्ट्रीय स्तर पर हड़ताल के आह्वान के बाद जयपुर समेत राजस्थान के सभी जिलों में चिकित्सकों ने आज कार्य का बहिष्कार किया है। यह बहिष्कार कोलकाता में एक कनिष्ठ चिकित्सक के बलात्कार और हत्या के बाद चल रहे आंदोलन के समर्थन में किया गया है।

राजधानी जयपुर के सवाई मानसिंह चिकित्सालय के अधीक्षक डॉ. सुशील भाटी ने बताया कि रेजिडेंट चिकित्सकों की हड़ताल के समर्थन में शनिवार को सभी सरकारी चिकित्सकों ने दो घंटे का कार्य का बहिष्कार किया। उन्होंने बताया कि शनिवार को सुबह आठ बजे से दस बजे तक अस्पताल के सभी विभागों के चिकित्सकों ने कार्य का बहिष्कार किया, हालांकि आपातकालीन सेवाएं चालू हैं।

डॉ. भाटी ने बताया कि चिकित्सकों के कार्य के बहिष्कार के दौरान ओपीडी मरीजों को दिक्कतों का सामना पड़ा लेकिन बाद में अस्पताल में सभी सरकारी चिकित्सक काम पर लौट आये। चित्तौड़गढ़ जिले में भी आईएमए के आह्वान पर चिकित्सा सेवाएं पूरी तरह से बंद रहीं।

चित्तौड़गढ़ जिले के सबसे बड़े सांवलिया जी राजकीय चिकित्सालय में कार्यरत चिकित्सकों ने बंगाल सरकार को बर्खास्त करने की मांग की। वही चित्तौड़गढ़ जिला मुख्यालय और आसपास के क्षेत्र में कार्यरत नर्सिंग कर्मचारियों ने भी इस मांग का समर्थन करते हुए काली पट्टी बांधकर काम किया। प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. दिनेश वैष्णव ने कहा कि बंगाल में हुई घटना निंदनीय है। उन्होंने आरोप लगाया कि बंगाल सरकार मामले को दबाने का प्रयास कर रही है।

उन्होंने मांग की कि सरकार को तत्काल बर्खास्त किया जाना चाहिए और जो भी दोषी है उनके विरुद्ध कार्रवाई की जानी चाहिए। बाड़मेर में रेजिडेंट चिकित्सकों को सुरक्षा मुहैया करवाने की मांग को लेकर राजकीय मेडिकल कॉलेज अस्पताल बाड़मेर के रेजिडेंट स्पेशलिस्ट एवं सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टरों ने कार्य बहिष्कार कर विरोध प्रदर्शन किया।

जालौर में आज सुबह छह बजे से लेकर कल सुबह छह बजे तक 24 घण्टे तक आईएमए के आह्वान पर सभी चिकित्सक हड़ताल पर हैं। आज जिला अस्पताल में संचालित होने वाली ओपीडी में ताले लटके हुए नजर आए लेकिन अस्पताल में आपातकालीन सेवाएं सुचारू रूप से चल रही हैं।

भारत-पाक सीमा से सटे सरहदी जिले जैसलमेर के जवाहर चिकित्सालय के डॉक्टर भी विरोध जता रहे है। वरिष्ठ डॉक्टर जहां सामूहिक अवकाश पर है वहीं जूनियर डॉक्टर सेवाएं दे रहे है। ऐसे में जिले के सबसे बड़े चिकित्सालय में हालात न बिगड़े इससे पहले ही सरहद की रखवाली करने वाले बीएसएफ के चिकित्सक ने मोर्चा संभाला है। बीएसएफ में तैनात डॉक्टर हेमन्त जीनगर इमरजेंसी सेवा दे रहे हैं। डॉ. जीनगर ने बताया कि बीएसएफ की सेवा के साथ ही आमजन की सेवा करना हमारा कर्तव्य है और उसके लिए बीएसएफ सदैव तैयार है।

कोलकाता रेजीडेंट प्रकरण

प्रदेश में सुचारू रहीं स्वास्थ्य सेवाएं -हर स्थिति की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही : गजेन्द्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कोलकाता रेजीडेंट प्रकरण के कारण चिकित्सकों के राष्ट्रव्यापी कार्य बहिष्कार को लेकर राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को सुचारू रखने के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। प्रदेश के समस्त जिलों में शनिवार को राजकीय जिला अस्पतालों, मेडिकल कॉलेज से संबद्ध अस्पतालों सहित अन्य चिकित्सा संस्थानों में आईपीडी एवं आपातकालीन सेवाएं सुचारू रहीं। निजी अस्पतालों में भी आपातकालीन सेवाएं उपलब्ध करवाई गईं।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि प्रदेशभर में चिकित्सा व्यवस्थाओं को सुचारू रखने के लिए आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित किए गए हैं। हर स्थिति की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। स्वास्थ्य सेवाओं को सामान्य बनाए रखने के लिए वैकल्पिक व्यवस्थाएं की गई हैं। साथ ही, अधिकारियों को हर

स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक दिशानिर्देश दिए गए हैं।

चिकित्सा विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती शुभ्रा सिंह ने बताया कि बहिष्कार को ध्यान में रखते हुए शुक्रवार को ही चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से जिला प्रशासन, पुलिस एवं अन्य संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए गए।

शनिवार को प्रदेशभर में स्वास्थ्य सेवाएं सुचारू रहीं। उन्होंने बताया कि मेडिकल कॉलेज से संबद्ध चिकित्सालयों में करीब 2600 चिकित्सक शिक्षकों, 500 चिकित्सा अधिकारियों, 9500 नर्सिंग कर्मियों एवं 650 जूनियर रेजिडेंट द्वारा सेवाएं दी गईं। इसी प्रकार सभी जिला अस्पतालों एवं अन्य चिकित्सा संस्थानों में आईपीडी एवं आपातकालीन सेवाएं संचालित की गईं। कुछ जिलों में ओपीडी सेवाएं भी संचालित हुईं। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जिला कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षकों को आवश्यक दिशानिर्देश दिए गए हैं।

चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा सम्पूर्ण प्रकरण की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। मेडिकल कॉलेजों से संबद्ध अस्पतालों में आईपीडी, आईसीयू, एनआईसीयू, पीआईसीयू व इमरजेंसी में स्टाफ को नियुक्त कर सभी सेवायें निर्बाध रूप से संचालित हैं। चिकित्सकों की रोटेशन से 24 घण्टे उपस्थिति सुनिश्चित की जा रही है। सभी चिकित्सक शिक्षकों एवं कार्मिकों के अवकाश तुरन्त प्रभाव से निरस्त कर दिये गये हैं, साथ ही सभी प्रधानाचार्यों एवं चिकित्सा अधीक्षकों को उनके अधीन चिकित्सक शिक्षकों एवं कार्मिकों को तुरन्त प्रभाव से कार्य पर उपस्थित होने हेतु निर्देशित किया गया है। रोगियों की सहायता एवं अन्य सेवाओं हेतु नियंत्रण कक्ष 24 घंटे संचालित हैं।

शिक्षा विभाग ने स्कूलों में धारदार नुकीली चीजें लाने पर लगाई पाबंदी

जयपुर। उदयपुर के स्कूल में हुई चाकूबाजी की घटना के बाद शिक्षा विभाग ने आदेश जारी कर विद्यालयों में किसी भी प्रकार की धारदार या नुकीली वस्तु लाने पर पूरी तरह रोक लगाई है। आदेश में कहा गया है कि भारत की संस्कृति अहिंसा परमो धर्म के मूल्य का महत्व समझाकर अहिंसा को व्यक्तित्व का अभिन्न अंग बनाने पर बल देती है। राज्य सरकार इन्हीं मूल्यों के अनुरूप, विद्यालय को सुरक्षित एवं स्वस्थ वातावरण के साथ-साथ विद्यार्थियों को संस्कारवान बनाने के लिए भयमुक्त परिवेश प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

आदेश में यह भी कहा या है कि विद्यालय में विद्यालय प्रशासन एवं शिक्षकों को विद्यार्थियों को निरंतर प्रेरित करने के साथ, उनके आचरण पर सूक्ष्म ध्यान भी रखना चाहिए, जिससे विद्यार्थी अपने लक्ष्य के अनुरूप प्रगति पथ पर अग्रसर हो सकें। इसमें बरती गई शिथिलता विद्यार्थी को अनुचित दिशा तो देती ही है, साथ ही विद्यार्थी या उसके सहपाठी आदि को हानि पहुंचा सकती है।

उदयपुर में छात्र पर हमले की घटना से सांप्रदायिक हिंसा के बाद मोबाइल इंटरनेट सेवा बंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के उदयपुर में एक सरकारी स्कूल के 10वीं कक्षा के छात्र द्वारा अपने सहपाठी को चाकू घोंपने के बाद पैदा हुए सांप्रदायिक तनाव के बीच जिले के कई इलाकों में शुक्रवार रात से 24 घंटे के लिए मोबाइल इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी गईं। उदयपुर के सभी सरकारी और निजी स्कूल में आगामी आदेश तक अवकाश घोषित कर दिया गया है।

पुलिस ने बताया कि हमले में घायल छात्र का जिला अस्पताल में इलाज किया जा रहा है और आरोपी छात्र को हिरासत में ले लिया गया है। दोनों छात्र नाबालिग हैं। उदयपुर के जिलाधिकारी अरविंद पोसवाल ने बताया कि कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए उदयपुर शहर और उदयपुर विकास प्राधिकरण क्षेत्र के सभी सरकारी और निजी स्कूल शनिवार से अगले आदेश तक बंद रहेंगे।

उन्होंने बताया कि घायल छात्र के इलाज के लिए जयपुर से विशेष विमान से तीन चिकित्सकों की टीम उदयपुर भेजी गई है। उदयपुर शहर, बेदला, बड़गांव, ब्लीचा, देबारी, एकलिंगपुरा, कानपुर, ढीकली और भुवाना क्षेत्र में शुक्रवार रात 10 बजे से 24 घंटे के लिए मोबाइल इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गईं। इंटरनेट बंद करने का आदेश संभागीय आयुक्त राजेंद्र भट्ट ने जारी किया।

जिलाधिकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री के निर्देश पर तीन चिकित्सकों की टीम विशेष विमान से जयपुर से उदयपुर आ रही है। उन्होंने बताया कि घायल छात्र की हालत स्थिर है। पोसवाल ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की। उदयपुर में शुक्रवार को 10वीं कक्षा के छात्र द्वारा सहपाठी को चाकू घोंपने के बाद सांप्रदायिक तनाव के बीच भीड़ ने कई वाहनों में आग लगा दी और पथराव किया। हालात को देखते हुए शहर में निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है। यह वारदात भट्टियानी चोहट्टा स्थित सरकारी स्कूल के बाहर हुई।

पुलिस के मुताबिक, वारदात के विरोध में कुछ हिंदू संगठनों के सदस्य शहर के मधुबन इलाके में एकत्र हुए। उसने बताया कि भीड़ ने पथराव किया और तीन-चार कार को आग के हवाले कर दिया। शुक्रवार शाम को तनाव बढ़ने पर बापू बाजार, हाथीपोल, घंटाघर, चेतक सर्किल और आसपास के इलाकों में बाजार बंद कर दिए गए। पुलिस के अनुसार, हिंदू संगठनों के लोगों ने बाजारों में दुकानें बंद करवा दीं।

आरोपी के मकान को बुलडोजर से किया ध्वस्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। राजस्थान के उदयपुर में सरकारी स्कूल में शुक्रवार को चाकू से हमला कर एक छात्र को घायल कर देने की घटना के मामले में आरोपी के मकान को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया गया है। प्रशासन की ओर से शुक्रवार देर रात को आरोपी को मकान खाली करने का नोटिस चस्पा किया गया। इसके बाद शनिवार दोपहर नगर निगम और जिला प्रशासन के अधिकारियों ने बड़ी संख्या में पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच कर मकान खाली कराया गया।

इसके बाद पटवारी सुरपाल सिंह सोलंकी ने दो जेसीबी मशीनों को लगाकर आरोपी के पूरे मकान को ध्वस्त कर दिया गया। उल्लेखनीय है कि आरोपी का मकान वन विभाग की जमीन पर बनाया गया है। वन विभाग की ओर से छह महीने पूर्व भी मकान हटाने का नोटिस दिया गया था।

ई-रिक्शा चालक और उसके साथियों ने युवक को पीटा, मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर के शास्त्री नगर थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात एक ई-रिक्शा चालक और उसके दो साथियों ने एक युवक के साथ कथित तौर पर मारपीट की, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि युवक की मौत के बाद स्थानीय लोगों ने शास्त्री नगर थाने के बाहर प्रदर्शन किया और मामले में शामिल आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (उत्तर) बजरंग सिंह के अनुसार, शुक्रवार रात एक स्कूटी और ई-रिक्शा में टक्कर हो गई, जिसके बाद स्कूटी चालक और ई-रिक्शा चालक व उसके दो साथियों के बीच हाथापाई हो गई। सिंह ने बताया, घटना के बाद स्कूटी चालक और ई-रिक्शा चालक अपने-अपने घर चले गए। घर पहुंचने के बाद स्कूटी चालक दिनेश स्वामी (36) की हालत बिगड़ गई और उसकी मौत हो गई।

दिनेश के साथ उसका दोस्त जितेंद्र स्वामी भी था, जो शास्त्री नगर थाने के स्वामी बस्ती का रहने वाला है। सिंह के मुताबिक, ई-रिक्शा में तीन लोग सवार थे, जिनमें से एक शाहरुख को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि बाकी दो की तलाश की जा रही है। उन्होंने कहा, यह रोड रेज का मामला है, जिसमें एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और दो अन्य की तलाश की जा रही है।

सरकार को 5.21 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सरकार को 'राइजिंग राजस्थान' निवेश सम्मेलन-2024 (इनवेस्टमेंट समिट) की तारीखों की घोषणा के दो सप्ताह के भीतर ही 5.21 लाख करोड़ रुपये (तकरीबन 62 अरब डॉलर) से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

अधिकारिक बयान के अनुसार, निवेश संवर्द्धन ब्यूरो (बीआईपी) को ये प्रस्ताव देश और विदेश के कॉरपोरेट जगत की प्रमुख बड़ी कंपनियों से प्राप्त हुए हैं। बीआईपी इस निवेश सम्मेलन का नोडल विभाग है। इन औद्योगिक परियोजनाओं से तकरीबन 1.55 लाख लोगों को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलने का अनुमान है।

बयान के अनुसार, राज्य सरकार को मिले 5.21 लाख करोड़ रुपये के यह निवेश प्रस्ताव राजस्थान की वर्तमान अर्थव्यवस्था के 33 प्रतिशत से भी अधिक है। राजस्थान की अर्थव्यवस्था 2023-24 में 15.28 लाख करोड़ रुपये (प्रचलित मूल्यों पर) अनुमानित है। 'राइजिंग राजस्थान' निवेश सम्मेलन 2024 का आयोजन राजस्थान सरकार इस साल 9, 10 और 11 दिसंबर को राजधानी जयपुर में करेगी। इस तीन दिवसीय सम्मेलन का उद्देश्य देश-विदेश की बड़ी-छोटी कंपनियों, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और निवेशकों को राज्य में आ कर काम करने के लिए आकर्षित करना, प्रदेश में विभिन्न तरह के उद्योग-धंधे लगाने में मदद करना है।

राजस्थान के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौर ने कहा, निवेशकों से अब तक मिली शानदार प्रतिक्रिया और समर्थन से हम बहुत उत्साहित हैं। राजस्थान को निवेश के लिए आकर्षक गंतव्य बनाने के लिए पिछले छह-सात महीनों से उद्योग विभाग अथक प्रयास कर रहा है और यह उसी का परिणाम है। राज्य सरकार जल्द ही राष्ट्रीय और वैश्विक उद्योगपतियों, कॉरपोरेट्स, अंतरराष्ट्रीय संस्थानों आदि से मिलने और उन्हें राज्य में निवेश के लिए आमंत्रित करने के लिए घरेलू और अंतरराष्ट्रीय रोड शो आयोजित करेगी।

राजस्थान सरकार के प्रमुख सचिव (उद्योग) अजिताभ शर्मा ने कहा, निवेशकों के जबरदस्त उत्साह से दिखता है कि राजस्थान और इसकी क्षमता पर निवेशकों के विश्वास में पिछले कुछ महीनों के दौरान उल्लेखनीय बदलाव आया है।

संसदीय कार्य एवं न्याय मंत्री ने की जनसुनवाई, संबंधित अधिकारियों को दिए त्वरित समाधान के निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं न्याय मंत्री जोगाराम पटेल ने शनिवार को जोधपुर के सर्किट हाउस में जनसुनवाई की। इस दौरान जनसुनाई में बड़ी संख्या में फरियादी पहुंचे, उन्होंने अपनी-अपनी परिवेदनाएं मंत्री पटेल को सौंपी। साथ ही, अपनी समस्याओं से उन्हे अवगत करवाया। संसदीय कार्य मंत्री पटेल ने जनसुनवाई में आए फरियादियों की समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए।

संसदीय कार्य मंत्री पटेल ने जोधपुर एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए सभी फरियादियों को विश्वास दिलाया की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता से किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का मुख्य ध्येय जनसुनवाई के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा लोगों को राहत पहुंचाना है। उन्होंने

फोन पर संबंधित अधिकारियों से समस्याओं पर चर्चा करते हुए समस्याओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने कहा कि जोधपुर एवं ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जनसुनवाई में आए फरियादियों ने बारिश से फसलों को हुए नुकसान एवं मुआवजा, पट्टों से संबंधित विवाद, बंटवारा, भूमि विवाद, तारबंदी की समस्या, कृषि भूमि से मार्ग निकालने, मार्ग अवरूद्ध करने, अतिक्रमण हटाने, अवैध खनन, बारिश के दौरान जलभराव की समस्या, क्षतिग्रस्त सड़कों एवं मरम्मत की समस्या, विद्युत संबंधी शिकायत, सिवरेज समस्या, सहित अन्य आमजन से जुडी समस्याओं से संबंधित परिवेदनाओं से मंत्री पटेल को अवगत करवाया। साथ ही, उन्हे अपने परिवाद सौपे, जिस पर मंत्री पटेल ने परिवेदनाओं के त्वरित निराकरण के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये। साथ ही, पाल बालाजी क्षेत्र में जल भराव की समस्याओं से मंत्री पटेल को अवगत करवाने के लिए बड़ी संख्या में फरियादी पहुंचे, इस पर संसदीय कार्य मंत्री पटेल ने पाल बालाजी के क्षेत्रवासियों को विश्वास दिलाया की जल्द ही इस समस्या से आप लोगों को निजात मिलेगी। साथ ही, पटेल ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को इस समस्या के त्वरित समाधान के निर्देश दिए।

सरिस्का से निकला बाघ हरियाणा पहुंचा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। राजस्थान में अलवर जिले के बाघ संरक्षण क्षेत्र सरिस्का से निकला नर बाघ एसटी-2303 अब हरियाणा सीमा में घुस गया है। सरिस्का के रेंजर शंकर सिंह ने बताया कि शनिवार पूर्वाह्न 10.21 बजे इस बाघ के पदचिह्न हरियाणा सीमा के साबी नदी के निकट झाबुआ गांव के जंगल में मिले हैं, जिससे इसके हरियाणा सीमा में प्रवेश करने की पुष्टि हो गयी है। उन्होंने बताया कि इस नर बाघ को बचाने के लिये वन विभाग के दल तैनात हैं।

सिंह ने बताया कि 15 अगस्त को निकला यह बाघ पहले मुंडावर के दरबारपुर में गया। उसके बाद यह हरियाणा में पहुंच गया। हरियाणा के

झाबुआ गांव के खेतों में इसकी तलाश की जा रही है। पिछली बार यह अलग रास्ते से गया, इस बार अन्य रास्ते से गया है। जहां इसको देखा गया है वह हरियाणा का संरक्षित वन क्षेत्र है। जयपुर से आये डॉक्टर अरविंद माथुर ने बताया कि बाघ पर निगाह रखी जा रही है। उसे बेहोश तभी किया जाएगा तब वह पूरी तरीह से स्वस्थ महसूस करे। यह बाघ रात्रि में चल रहा है और दिन में फसलों के बीच में छुप जाता है। इसकी रफ्तार भी काफी तेज है। अभी उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) के निर्देश हैं कि पूर्ण स्वस्थ होने की स्थिति में आने के बाद ही इसको बेहोश किया जाये।

उधर उप वन संरक्षक बाघ परियोजना सरिस्का राजेन्द्र कुमार हुड्डा ने बताया कि बाघ परियोजना सरिस्का एवं उप वन संरक्षक अलवर के 10 दल क्षेत्रीय वन अधिकारियों के नेतृत्व में बाघ की तलाश करने का अथक प्रयास कर रहे हैं। इनमें अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, उपपुलिस अधीक्षक पुलिस बल के साथ मौजूद हैं। उन्होंने बताया कि बाघ एसटी-2303 के विचरण को दृष्टिगत रखते हुये आसपास के गांवों में लोगों से घरों में रहने की चेतावनी जारी कर दी गई है।

उत्तर प्रदेश में पुलिस भर्ती में 20 प्रतिशत 'बेटियों' की होगी नियुक्ति : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अंबेडकर नगर (उप्र)/भाषा। पुलिस भर्ती प्रक्रिया के लिए उत्तर प्रदेश में बड़े स्तर पर हो रही परीक्षा का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि पुलिस भर्ती में 20 प्रतिशत 'बेटियों' की भर्ती होगी।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के हर जिले के युवा को इस पूर्ण पारदर्शी नियुक्ति प्रक्रिया में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

एक सरकारी बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को अंबेडकर नगर कटेहरी स्थित स्थित देव इंद्रावती महाविद्यालय में आयोजित जनपद स्तरीय वृहद रोजगार एवं ऋण मेले में ये बातें कहीं। इस अवसर पर उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रदेश में होने वाली पुलिस भर्ती में 20 प्रतिशत बेटियों को भी नियुक्ति दी जाएगी। उन्होंने कहा, ''वे (पुलिस में भर्ती होने वाली लड़कियां) प्रदेश की सड़कों पर उतरकर शोहदों का सही इलाज करेंगी।''

अपराधियों, माफिया और अराजक तत्वों को चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि युवाओं के भविष्य के साथ किसी को भी खिलवाड़ करने की इजाजत नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा, '' वो समय गया, जब प्रदेश में चाचा-भतीजा की गैंग वसूली करने निकलती थी। अब तो जो भी ऐसा करेगा उनकी संपत्ति जब्त करवा कर जरूरतमंद में बंटवा दी जाएगी।''

कार्यक्रम में कुल 2,500 युवाओं को प्रशस्ति पत्र, 5,100 छात्र-छात्राओं को टैबलेट व कुल 211 करोड़ रुपए के ऋण का वितरण किया गया।

वृंदावन के आश्रय सदनों की विधवा महिलाओं ने प्रधानमंत्री को भेजीं हाथ से बनाई राखियां

मथुरा (उप्र)/भाषा। वृन्दावन के आश्रय सदनों में रहने वालीं विधवा और निराश्रित महिलाओं ने हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए अपने हाथों से बनाई राखियां भेजी हैं।

'सुलभ इंटरनेशनल' के विधवा सहाय कार्यक्रम की उपाध्यक्ष विनीता वर्मा ने बताया कि इस परंपरा की शुरुआत इसके संस्थापक बिंदेश्वरी पाठक ने की थी।

उन्होंने कहा कि उनका मानना था कि विधवाओं को भी अन्य महिलाओं की तरह सभी प्रकार के शुभ तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों और त्योहार मनाने का अधिकार है। उन्होंने बताया कि इस बार प्रधानमंत्री को भगवान राम और ठाकुर बांकेबिहारी के चित्र वाली 551 राखियां भेजी जा रही हैं।

असम के मुख्यमंत्री ने झामुमो सरकार पर 'तुष्टीकरण' की राजनीति करने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गिरिडीह (झारखंड)/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को झारखंड में सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार पर राज्य में ''तुष्टीकरण'' की राजनीति करने का आरोप लगाया।

झारखंड में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के चुनाव सह-प्रभारी शर्मा ने शनिवार को गिरिडीह जिले के बेंगाबाद का दौरा किया। शर्मा ने हवलदार चौहान हेब्राम के परिजनों से मुलाकात की। चौहान की 12 अगस्त को हजारीबाग के एक अस्पताल में एक सजायाफ्ता कैदी ने हत्या कर दी थी। हेब्राम की मां से मुलाकात के बाद शर्मा ने कहा, ''झामुमो या कांग्रेस के किसी भी विधायक ने अभी तक आदिवासी पीड़ित परिवार से मुलाकात नहीं की है।'' आजीवन कारावास की सजा काट रहा कैदी शाहिद अंसारी हजारीबाग जिले के शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एसबीएमसीएच) में हेब्राम पर रॉड से वार कर और 'सेलाइन पाइप' से गला घोंटकर उसकी हत्या करने के बाद फरार हो गया था। अंसारी का अस्पताल में इलाज चल रहा था।

असम के मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि फरार कैदी को पकड़ने के लिए प्रशासन ने कोई कदम नहीं उठाया। शर्मा ने कहा कि जब उन्हें घटना के बारे में पता चला तो उन्होंने शनिवार सुबह भाजपा की झारखंड इकाई के प्रमुख बाबूलाल मरांडी के साथ हेब्राम के परिवार से मिलने का फैसला किया। शर्मा ने कहा, जब मैं यहां पहुंचा तो मुझे बताया गया कि पुलिस सुबह-सुबह हेब्राम के परिवार के सदस्यों को अपने साथ ले गई।

पश्चिम बंगाल में केंद्र सरकार के हस्तक्षेप की जरूरतः जीतन मांझी

पटना/भाषा। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल में ''केंद्र सरकार के हस्तक्षेप'' की जरूरत पर जोर दिया, जहां एक चिकित्सक से बलात्कार और उसकी हत्या के बाद कानून-व्यवस्था की स्थिति सवालों के घेरे में है। माझी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर भी निशाना साधा और कहा कि इस जघन्य अपराध के विरोध में आयोजित प्रदर्शन पर हमला करने वाले गुंडों पर लगाम लगाने में उनका प्रशासन विफल रहा है।

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री मांझी ने कहा, ''यह बेतुका है कि (ममता) बनर्जी ने कल खुद जुलूस निकालने का फैसला किया। पूरा प्रशासन उनके नियंत्रण में है। वह किसके खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रही थीं।''

सोरेन ने कोलकाता मामले की निंदा की, प्रदर्शनकारी चिकित्सकों से काम पर लौटने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक प्रशिक्षु चिकित्सक के साथ बलात्कार और हत्या की घटना की शनिवार को निंदा की। साथ ही, प्रदर्शन कर रहे चिकित्सकों से मरीजों की दिक्कतों को ध्यान में रखकर काम पर लौटने की अपील की।

दिन के दौरान झारखंड में स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित रहीं, क्योंकि डॉक्टर भी आईएमए के राष्ट्रव्यापी आह्वान में शामिल हो गए, जिसमें शनिवार सुबह छह बजे से 24 घंटे के लिए गैर-आपातकालीन सेवाएं बंद रखने का आह्वान किया गया था। सोरेन ने कहा कि उन्होंने डीजीपी को राज्य के अस्पतालों में काम करने वाले सभी कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सख्त कदम उठाने का निर्देश दिया है। झारखंड के मुख्यमंत्री ने कहा, ''बंगाल की घटना की जितनी निंदा की जाए, कम है। बंगाल सरकार एवं केंद्र सरकार की एजेंसियां दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने के लिए प्रयत्नशील हैं और मुझे पूरी उम्मीद है कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। मैं राज्य के चिकित्सकों से अपील करना चाहूंगा कि आपकी सरकार आपकी वेदना में आपके साथ खड़ी है, परंतु राज्य के मरीजों का इलाज भी अत्यंत आवश्यक है। अतः आप काम पर लौटें एवं मरीजों को स्वस्थ बनाने में अपना सार्थक सहयोग करें।''

दलगत राजनीति से ऊपर उठें राजनीतिक दलः मायावती

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने कोलकाता में चिकित्सक के साथ कथित तौर पर दुष्कर्म करने और फिर उसकी हत्या की घटना पर शनिवार को राजनीतिक दलों से ''दलगत राजनीति से ऊपर उठने'' का आग्रह किया। मायावती ने पोस्ट कर कहा, ''बंगाल में महिला चिकित्सक के साथ दुष्कर्म और फिर हत्या की घटना से पूरा देश चिंतित और आक्रोशित (है), फिर भी तृणमूल कांग्रेस सरकार अपने बचाव में इसे धार्मिक और राजनीतिक रंग देने में लगी है, वहीं विपक्ष भी इस मामले में कम नहीं। ऐसे में दोषियों को सख्त सजा और पीड़ित परिवार को न्याय कैसे मिले इसकी चिंता जरूरी।'' उन्होंने कहा, ''अतः इस मामले में आरोप-प्रत्यारोप आदि को त्याग कर असली दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के लिए सभी को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर आगे आना होगा। पीड़ित परिवार ने मुआवजा नहीं लेने और न्याय की बात कही है, उनकी पीड़ा और घटना को लेकर इंसाफ के तकाजे पर सभी को गंभीर होने की जरूरत।'' बसपा नेता ने कहा, ''इस घटना को लेकर चिकित्सकों और मेडिकल छात्रों का आंदोलन भी अपनी जगह सही है जिसका समर्थन भी है, लेकिन इस दौरान गरीब मरीजों के इलाज की तरफ भी जरूर ध्यान दिया जाए तो यह उचित होगा।

कोलकाता में चिकित्सक से दुष्कर्म और हत्या की घटना से हर कोई चिंतित हैः रीजीजू

भुवनेश्वर/भाषा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में चिकित्सक से दुष्कर्म और फिर उसकी हत्या की घटना से सिर्फ स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के लोग ही नहीं, बल्कि हर कोई चिंतित है। रीजीजू नवनिर्वाचित विधायकों के लिए आयोजित विशेष कार्यक्रम में शामिल होने के लिए यहां पहुंचने के बाद संवाददाताओं से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा, ''कोलकाता की घटना के बाद सुरक्षा को लेकर हर कोई चिंतित है। यह सिर्फ स्वास्थ्य कर्मचारियों का मामला नहीं है, बल्कि यह सभी की सुरक्षा का मामला है। पश्चिम बंगाल की घटना को लेकर हर कोई चिंतित है। इस घटना से लोगों में रोष है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने भी सभी जरूर कदम उठाए हैं।'' पिछले सप्ताह कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में ड्यूटी के दौरान परास्नातक प्रशिक्षु चिकित्सक से कथित तौर पर दुष्कर्म किया गया और उसकी हत्या कर दी गई।

'लेटरल एंट्री' एससी, एसटी, ओबीसी वर्गों को आरक्षण से दूर रखने की साजिशः खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को आरोप लगाया कि केंद्र में 'लेटरल एंट्री' के माध्यम से भर्ती अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़े वर्गों (ओबीसी) को आरक्षण से दूर रखने की मोदी सरकार की साजिश है। उन्होंने एक विज्ञापन का हवाला दिया जिसमें 45 पदों पर लेटरल एंट्री के माध्यम से भर्ती के लिए आवेदन मांगे गए हैं।

खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''संविधान को तार-तार करती भाजपा ने किया आरक्षण पर डबल वार। पहला, आज मोदी सरकार ने केंद्र में संयुक्त सचिव, निदेशक और उप सचिव के कम से कम 45 पद लेटरल एंट्री द्वारा भरने का विज्ञापन निकाला है। क्या इसमें एससी,एसटी, ओबीसी एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग का आरक्षण है?'' उन्होंने यह आरोप लगाया कि सोची समझी साज़िश के तहत भाजपा जानबूझकर नौकरियों में ऐसे भर्ती कर रही है, ताकि आरक्षण से एससी, एसटी, ओबीसी वर्गों को दूर रखा जा सके। खरगे ने कहा, ''दूसरा, उत्तर प्रदेश में 69,000 सहायक शिक्षकों की नियुक्ति में आरक्षण घोटाले का अब हाईकोर्ट के फैसले से पर्दाफ़ाश हो चुका है। राहुल गांधी ने मार्च 2024 में दलित और पिछड़े वर्ग में आरक्षण घोटाले में प्रधानमंत्री जी को पत्र लिखकर वंचित अभ्यर्थियों की आवाज़ उठाई थी। योगी सरकार ने अभ्यर्थियों से नाइंसाफ़ी करते हुए ये पद भरे थे, जिसमें दलित और पिछड़े वर्ग का आरक्षण का संवैधानिक हक़ उनसे छीना गया।''

बिहार में गंगा पर बन रहे पुल का एक हिस्सा गिरा

भागलपुर/खगड़िया/पटना/भाषा। बिहार में गंगा नदी पर निर्माणाधीन पुल का एक हिस्सा शनिवार सुबह गिर गया। अधिकारियों ने बताया कि इस पुल को तोड़ा जा रहा था और शनिवार को अचानक इसका एक हिस्सा गिर गया। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। भागलपुर और खगरिया जिलों को जोड़ने वाले इस पुल का एक स्लैब गिर गया। घटना से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसमें स्थानीय लोग दूर खड़े होकर यह चिल्लाते हुए सुने जा सकते हैं कि ढांचा एक बार फिर से गिर गया है। उल्लेखनीय है कि पुल का कुछ हिस्सा 2022 की शुरुआत में और एक साल बाद फिर से ढह गया था। खगड़िया के जिलाधिकारी अमित कुमार पांडे ने कहा कि निर्माणाधीन पुल की पूरी संरचना को दोषपूर्ण माना गया और पटना उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार ठेकेदार द्वारा इसे तोड़ा जा रहा है। पुल का हिस्सा गिरने की इस घटने के कारण राजनीतिक विवाद शुरू हो गया है।

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने इस घटना के लिए सीधे तौर पर नीतीश कुमार सरकार को जिम्मेदार ठहराया। पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी ने इस वर्ष जनवरी में अपनी पार्टी के सत्ता से बाहर होने तक सड़क निर्माण विभाग संभाला हुआ था। तेजस्वी ने कहा, जब मैं विभाग का प्रमुख था तब आईआईटी रुड़की के विशेषज्ञों की एक समिति ने इस पुल की जांच की थी।

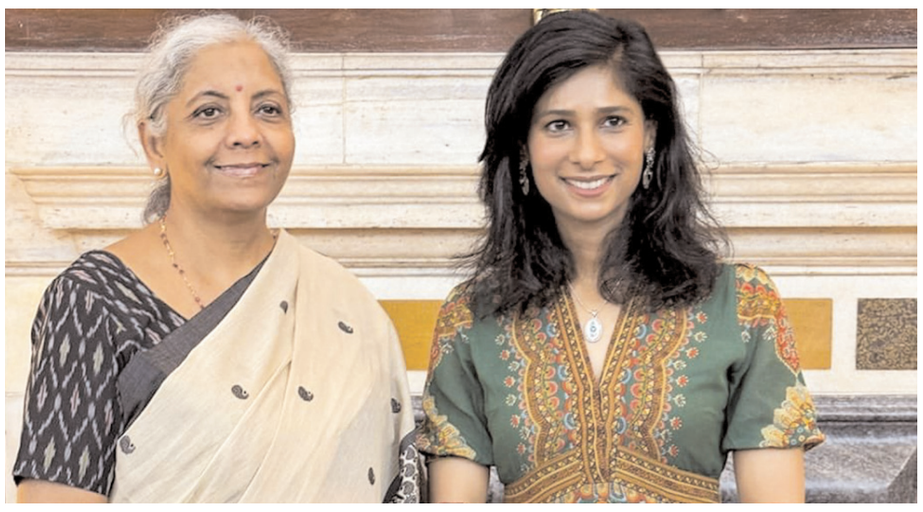

भारत को वृद्धि पथ पर रहने, रोजगार सृजन के लिए अधिक सुधारों की जरूरतः गीता गोपीनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की उप प्रबंध निदेशक गीता गोपीनाथ ने शनिवार को कहा कि भारत को आर्थिक वृद्धि के रास्ते पर आगे बढ़ने तथा देश में पर्याप्त रोजगार सृजन सुनिश्चित करने के लिए और अधिक सुधार करने की आवश्यकता होगी।

यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गोपीनाथ ने कहा कि यदि भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में एक महत्वपूर्ण भागीदार बनना चाहता है तो उसे आयात शुल्क कम करना होगा। उन्होंने कहा, संरचनात्मक सुधारों के संदर्भ में सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में महत्वपूर्ण सुधार किए हैं।

गोपीनाथ ने कहा कि विश्व ऐसे माहौल में है जहां व्यापार एकीकरण पर सवाल उठ रहे हैं, तथा भारत के लिए वैश्विक व्यापार के लिए खुला रहना महत्वपूर्ण है।

प्रमुख अर्थशास्त्री ने कहा, भारत में शुल्क दरें अन्य समकक्ष अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में अधिक हैं। यदि वह विश्व मंच पर एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनना चाहता है, तो उसे उन शुल्क को कम करना होगा। गोपीनाथ ने कहा कि विकसित देश का दर्जा प्राप्त करना एक बड़ी आकांक्षा है, लेकिन यह अपने आप नहीं हो जाता।

इसके लिए कई क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर निरंतर, सुसंगत प्रयास की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा, भारत की समग्र वृद्धि दर अच्छी रही है और सात प्रतिशत की दर से यह विश्व में सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था है।

गोपीनाथ ने कहा, प्रश्न यह है कि इस गति को कैसे बनाए रखा जाए तथा इसे और कैसे बढ़ाया जाए, ताकि भारत में प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि हो सके तथा यह एक उन्नत अर्थव्यवस्था बन सके।

बम की धमकी के बाद गुरुग्राम के एंबियंस मॉल को खाली कराया गया

गुरुग्राम/भाषा। हरियाणा के गुरुग्राम स्थित एंबियंस मॉल को शनिवार को बम की धमकी वाला एक ईमेल मिलने के बाद खाली कराया गया। हालांकि तलाशी अभियान में कुछ नहीं मिला। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि श्वान दस्ता के साथ बम निष्क्रिय करने वाली टीम मौके पर पहुंची तथा साढ़े चार घंटे तक तलाशी अभियान चलाया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि एंबियंस मॉल प्रबंधन को सुबह 9.27 बजे बम की धमकी वाला ईमेल मिला।

'हिडेनबोन्स101एट द रेट ऑफ जीमेल डॉट कॉम' से भेजे गए इस ईमेल में लिखा है, ''मैंने इमारत में बम लगाए हैं। इमारत के अंदर मौजूद हर व्यक्ति मारा जाएगा, आपमें से कोई भी बच नहीं पाएगा। आप मौत के हकदार हैं। मैंने इमारत में बम इसलिए लगाए क्योंकि मुझे अपनी जिंदगी से नफरत है। इस हमले के पीछे पैगी और नोरा हैं।'' डीएलएफ (गुरुग्राम) के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) विकास कौशिक ने कहा, ''एंबिएंस मॉल में तलाशी अभियान समाप्त हो गया है। तलाशी में कुछ भी नहीं मिला। हम अब धमकी वाला ईमेल भेजने वाले आरोपी की तलाश कर रहे हैं।''

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि वह ईमेल के स्रोत का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

लखनऊ के अमौसी हवाईअड्डे पर रेडियोधर्मी पदार्थ से संबंधित अलार्म बजने से हड़कंप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। चौधरी चरण सिंह (अमौसी) हवाईअड्डे पर कैंसर रोगियों के लिए दवाइयों से भरी एक खेप से रेडियोधर्मी पदार्थ का अलार्म सक्रिय होकर बज गया, जिससे शनिवार को हड़कंप मच गया। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गयी। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा के मुख्य परिचालन अधिकारी अभिषेक प्रकाश ने बयान में बताया, कैंसर रोगियों के लिए दवाइयों से भरी एक खेप ने लखनऊ हवाईअड्डे के कार्गो क्षेत्र में रेडियोधर्मी पदार्थ के लिए अलार्म सक्रिय कर दिया। अलार्म बजने के कारण का पता लगाने के लिए बुलाए राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल ने खेप को सुरक्षित घोषित कर दिया है। हवाईअड्डा अधिकारियों ने अलार्म बजने पर तुरंत प्रतिक्रिया दी और अधिकारियों को सूचित किया। घटना से उड़ान संचालन पर कोई असर नहीं पड़ा। बयान में कहा गया, इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ और जान-माल का कोई खतरा नहीं है। हवाईअड्डे पर परिचालन सुचारू रूप से चल रहा है और इस पर कोई असर नहीं पड़ा है।

पेरिस से स्वदेश लौटने पर विनेश फोगाट का भव्य स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पेरिस ओलंपिक में महिलाओं के 50 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में पहुंचने के बावजूद अधिक वजन होने के कारण पदक नहीं जीत पाने वाली भारत की स्टार पहलवान विनेश फोगाट का शनिवार को यहां इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया।

बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक जैसे स्टार खिलाड़ियों के अलावा पंचायत नेता भी विनेश का स्वागत करने के लिए पहुंचे थे। विनेश फूल मालाओं से लदी थी। उन्होंने खुली जीप में सवार होकर लोगों का आभार व्यक्त किया। कांग्रेस नेता दीपेंद्र हुड्डा विनेश के साथ थे और उन्होंने इस पहलवान को मिठाई खिलाई। विनेश ने हाथ जोड़कर कहा,''मैं पूरे देश का आभार व्यक्त करती हूं।'' इसके बाद यह विशाल काफिला विनेश के साथ हरियाणा में उनके गांव बलाली रवाना हुआ। पूरे रास्ते में लोग उनके स्वागत के लिए खड़े थे और इस पहलवान ने भी उनका आभार व्यक्त किया। हुड्डा ने विनेश को 'विजय का प्रतीक' गदा भेंट की जिसे देखकर विनेश भावुक हो गईं और उनके पति सोमवीर ने उन्हें सांत्वना दी। हुड्डा ने ट्विटर पर कई पोस्ट डालर 29 वर्षीय विनेश के जुझारूपन की तारीफ की। उन्होंने ट्वीट किया, ''हमारी नजर में आप पहले भी विजेता रही हैं और भविष्य में भी विजेता रहेंगी। आपके साहस, संघर्ष और दृढ़ संकल्प ने ना केवल करोड़ों देशवासियों का दिल जीता है, बल्कि आप देश के करोड़ों युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं।'' अपने गांव रवाना होने से पहले विनेश ने दिल्ली के द्वारका में एक मंदिर में पूजा अर्चना भी की। इस दौरान उनके लगभग 50 समर्थक उनकी जीप के पीछे चल रहे थे। विनेश के आगमन के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी।

पेरिस ओलंपिक में फाइनल से पहले किए गए वजन में उनका वजन 100 ग्राम अधिक निकला था जिसके कारण उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया था।

विनेश ने संयुक्त रूप से रजत पदक दिलाने के लिए खेल पंचाट में अपील की थी जिसके कारण वह पेरिस में रुकी रही। खेल पंचाट ने उनकी अपील को खारिज कर दिया था। साक्षी मलिक ने कहा,''वह लंबे समय बाद स्वदेश लौटी है। वह काफी भावुक है। वह कुछ समय अपने परिवार के साथ बिताएगी और खुद को शांतचित्त रखेगी। विनेश ने महिलाओं के लिए जो कुछ किया है वह सराहनीय है। वह भले ही पदक हासिल नहीं कर पाई लेकिन हमारे लिए वह चैंपियन है।''

90 मीटर की दूरी हासिल करने को 'ऊपरवाले' पर छोड़ दिया हैः नीरज चोपड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पेरिस खेलों में 90 मीटर के अपने लक्ष्य से मामूली अंतर से चूकने के बाद, दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने कहा कि उन्होंने इस लक्ष्य को अब भगवान के भरोसे छोड़ दिया है। नीरज ने पेरिस ओलंपिक में 89.45 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक जीता। पेरिस ओलंपिक में उनके छह प्रयास में से यह इकलौता वैध प्रयास था।

लगातार दो ओलंपिक खेलों में पदक जीतना किसी भारतीय एथलीट के लिए एक बड़ी उपलब्धि है लेकिन नीरज लगातार दो स्वर्ण पदक जीतने से चूक गये। उनका प्रयास पाक के अरशद नदीम के ओलंपिक रिकॉर्ड प्रयास से 92.97 मीटर से काफी कम था। नदीम इस दौरान व्यक्तिगत खेलों में पाकिस्तान के लिए स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले खिलाड़ी बने। नीरज ने निकट भविष्य में 90 मीटर के लक्ष्य के बारे में पूछे जाने पर कहा, अब लगता है कि इस तरह के लक्ष्य को 'ऊपरवाले' पर छोड़ना होगा।'' उन्होंने जेएसडब्ल्यू द्वारा आयोजित ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''मैं बस अच्छी तरह से तैयारी करना चाहता हूं और देखना चाहता हूं कि भाला कहां जाता है। 90 मीटर के बारे में पहले ही बात हो चुकी है, अब मुझे लगता है कि इसे रहने दो। पेरिस में मुझे लगा था कि यह होगा और यह हो सकता था।'' उन्होंने कहा, ''अब मैं अगले दो या तीन प्रतियोगिताओं में 100% दूंगा और देखूंगा कि क्या होता है। इस दौरान मैं खामियों को सुधारने पर काम करूंगा।'' नीरज कमर की चोट से परेशान हैं लेकिन वह खेल को जारी रखते हुए डायमंड लीग मीट में भाग लेंगे। वह 22 अगस्त को होने वाले डायमंड लीग में प्रतिस्पर्धा करेंगे और फिर ब्रुसेल्स में 13-14 सितंबर को डायमंड लीग फाइनल में भाग लेने के बाद चिकित्सकों से परामर्श लेंगे।

सुविचार

जिंदगी एक पहेली है। जिंदगी जीना आसान नहीं है। हर कदम पर नई मुसीबतों का सामना करने के लिए तैयार रहना पड़ता है।

ट्वीट

हमने विभिन्न योजनाओं, नीतियों, और विकास कार्यों के माध्यम से प्रदेश के हर क्षेत्र में समृद्धि लाने का संकल्प लिया है। हमारा उद्देश्य है कि राजस्थान के हर नागरिक को विकास की इस यात्रा में सहभागी बनने का अवसर मिले।

-भजनलाल शर्मा

देश की आज़ादी के लिए हँसते हुए अपने प्राण न्योछावर कर देने वाले अमर शहीद श्री मदन लाल ढींगरा जी के बलिदान दिवस पर सादर नमन। साधन सम्पन्न परिवार से होते हुए भी उन्होंने देश के लिए बलिदान का रास्ता चुना।

-ओम बिरला

कहानी

गोविंद सेन

स्पीड ब्रेकर

हफ्ते-दो हफ्ते में कोई न कोई स्पीड ब्रेकर मिल ही जाता है। अमूमन सुबह घूमकर लौटने में मुझे सवा घंटा लगता है। लेकिन जब कोई स्पीड ब्रेकर मिल जाता है तो पंद्रह मिनट से लेकर आधे घंटे तक की देरी हो जाती है। पत्नी पूछती है – 'आज देर हो गई?' मेरा जवाब होता – 'एक स्पीड ब्रेकर मिल गया था। साले ने आधे घंटे तक चगने ही नहीं दिया। फोकट मगज खाता रहा।' स्वर में खिन्नता होती। अनचाहे ही रास्ता रोककर मगज खाने वाले को मैं स्पीड ब्रेकर ही कहता हूँ। ये स्पीड ब्रेकर स्वाभाविक गति को बाधित कर दिमाग की धारा को एक अलग मोड़ दे देते हैं। घर पहुँचने की कितनी ही जल्दी क्यों न हो, स्पीड ब्रेकर अपनी बात पूरी बताए बगैर छोड़ते ही नहीं। मेरी ऊब और जाने की जल्दी को समझते ही नहीं। ऐसे परिचित मिलते ही रहते हैं।

एक बार एक परिचित शुगर के लिए खुद पर आजमाए हुए देशी नुस्खे ही बताता रहा – वह भी आधे घंटे तक। अनिच्छा से उसे सुनना ही पड़ा। चूँकि वह तो मेरे भले के लिए ही बता रहा था। इसलिए मैं उसे सुनने से कैसे इनकार कर दूँ। आखिर सौजन्य भी कोई चीज होती है।

आज भी एक स्पीड ब्रेकर मिल गया था। मैं अपने आपको कोसता हूँ। क्यों दो मिनट लेट न हुआ। दो न सही एक मिनट ही लेट हो जाता तो उसके दृष्टिपथ में तो न आता। मन्या का शिकार न बनता। बालीपुर फाटे से वह बालीपुर के लिए मुड़ जाता और मैं उसकी पकड़ में आने से बच जाता। लेकिन होनी बलवान होती है – होकर ही रहती है।

मन्या मंडी से सब्जियाँ लेकर लौट रहा था। वह मध्यान्ह भोजन के लिए सब्जियाँ लाता है। रोज मंडी टच करता है। अक्सर वह स्कूटी से आता-जाता दीखता रहता है। लेकिन कभी न उसने मिलने की कोशिश की थी, न मैंने। लेकिन आज तो वह मिलने को उत्सुक ही नहीं, बल्कि आमादा लग रहा था।

जैसे ही मैं बालीपुर फाटे पर पहुँचा, मन्या की निगाह मुझ पर पड़ गई। उसकी तो बाँछें खिल गईं। जैसे उसे अपना शिकार अनायास और निष्प्रयास मिल गया हो। उसने अपनी स्कूटी रोक दी थी। चाबी घुमाकर स्कूटी बंद कर दी। पहले तो मैं भी खुश हुआ था कि चलो, बरसों पुराने एक परिचित से मिलना हो जाएगा। लेकिन कुछ ही समय बाद खुद को फँसा हुआ महसूस करने लगा। वह आठ-दस साल बाद मिला था और उसकी बातें खत्म होने का नाम ही नहीं ले रही थी। वह बिना रुके अपनी सफलता की कहानी सुनाता ही जा रहा था। जैसे फर्राटे से दौड़ती बिना ब्रेक की गाड़ी हो।

मन्या यानी मन्नालाल। बचपन में हम उसे मन्या ही कहते थे। मैंने बालीपुर से ही मौसी के घर रहकर मिडिल पास की थी। क्लास में अव्वल आता था। तब अव्वल आना बड़ी बात होती थी। अव्वल आने वाला लड़का चर्चित हो जाता था। यह मान लिया जाता था कि यह आगे चलकर डॉक्टर, इंजीनियर या बड़ा अफसर बनकर खूब पैसे कमाएगा। गाँव के हिसाब से यह बड़ी बात होती। मेरी यही छवि मन्या के दिमाग में भी बनी हुई होगी। अब वह उस छवि को ध्वस्त करने पर लगभग आमादा था।

मन्या का घर मौसी के घर से बिलकुल सटा हुआ था। पकी-अधपकी ईटों की कामचलाऊ दीवारें थीं। आधी छत कवेलू और आधी पतरों से ढकी थी। आर्थिक हालत खराब थी जो कि अधिकांश लोगों की थी। मन्या मुझसे आठ-दस साल छोटा होगा ही। वह मौसेरे भाई मुकेश का हमउम्र था। दोनों एक ही क्लास में पढ़ते थे। मन्या एक किसान परिवार से था। तीन भाइयों में वह सबसे छोटा था। हिस्से-बँटवारे के बाद जमीन कम हो गई थी। मन्या को रोजगार और पैसे कमाने के दूसरे विकल्प तलाश करने पड़े थे। उसका रुझान तिकड़म और जुगाड़ में अधिक था।

वह विस्तार से बताता जा रहा था। कैसे उसने शून्य से शुरू हो शिखर को छुआ था। एक जमाना ये था कि वह लोगों से पैसे माँगता फिरता था। उसके पास सौ-दो सौ का भी सोय नहीं होता था। सत्रह धंधे और फंदे किए। जुड़ाई की। मकान बनाने के ठेके लिए। फिर भी बात नहीं बनी। बलात्कार के एक केस में भी फँसा। हालाँकि उसने यह नहीं बताया कि उसने सचमुच बलात्कार किया था या नहीं। मैंने भी सौजन्य वश सच्चाई जानने की कोशिश नहीं की। जज को एक लाख रुपये देकर वह उस केस से बरी हुआ था। इस हिसाब से तो वह बहुत परेशानी में फँसा हुआ था।

मुझ से रहा न गया। पूछा – 'फिर यह कायापलट कैसे हुई?'

शायद वह इसी सवाल का इंतजार कर रहा था। उसने फटाक से जवाब दिया –'एमडीएम से। मध्याह भोजन मेरे लिए अनमोल रतन साबित हुआ।' जैसे मीराबाई को राम रतन धन प्राप्त हुआ था वैसे ही उसे एमडीएम रूपी रतन प्राप्त हुआ था। पहले वह सीईओ को हजार-दो हजार के लिए ब्लैकमेल किया करता था। सीईओ ने कहा – 'तू एमडीएम क्यों नहीं चलाता।'

तब उसके पास पैसे कहाँ थे। कुछ समय पहले उसने बैंक में क्राफ्ट लोन के लिए आवेदन कर रखा था। संयोग से खबर आई कि मन्नालाल तेरा लोन मंजूर हो गया है। पर तीन हजार देने होंगे। वह उत्साह से बताने लगा – 'मेरी तो उड़ के लगी थी। मैंने कहा – तीन नहीं चार हजार लेना, एक हजार मेरी तरफ से और मैंने उसे लोन में से ही चार हजार खुशी-खुशी दे दिए। वह भी खुश, मैं भी खुश। इस तरह साठ हजार मुझे बैंक से मिल गए।'

उसने गौर किया कि पहले की तरह मन्या गाँव की आड़ी बोली से एकदम ठेठ खड़ी बोली पर आ गया था। हालाँकि लहजा उसका वही गाँव वाला ही था। शायद हिंदी में बात करने से ज़्यादा वजन पड़ता है। दूसरी बात शायद यह हो कि वह मुझे प्रभावित करना चाहता हो। चूँकि अब मैं गाँव में नहीं रहता, शहर का बाशिंदा हो गया हूँ। जबकि मन्या गाँव में ही रहता है। इसलिए वह यह दिखा देना चाहता है कि अब वह गाँव का सीधासादा मन्या नहीं, बल्कि शहरी बाबुओं, मास्टरों और अफसरों को भी घुमा देने वाला मन्नालाल बन चुका है।

उसने बैंक से लोन के बाद की कहानी बताना शुरू की। अब सवाल गेहूँ का था।

'याद करो कि बद्रीलाल वर्मा मास्टर कैसे मरा?' मुझसे मुखातिब हो उसने पूछा।

'हार्ट अटैक से'। मेरे जवाब पर वह मुस्काया। जैसे मैंने कोई निहायत ही बचकाना जवाब दिया हो।

'लेकिन हार्ट अटैक क्यों पड़ा?' '...'

मन्या के इस सवाल का मेरे पास जवाब नहीं था। तब रहस्य पर से पर्दा उठाने के अंदाज में उसने कहा – 'पहले एमडीएम मास्टर चलाते थे। वर्मा मास्टर ने कंट्रोल से गेहूँ उठाया ही नहीं। कागज पर एमडीएम चलाता रहा। दस क्विंटल गेहूँ इकट्ठे हो गए। वह जिस दिन कंट्रोल से, चोरी से गेहूँ ले जा रहा था, मैंने पकड़ लिया। धमकाया कि अभी कंप्लेन करता हूँ। बस वर्मा मास्टर घबरा गया। अटैक आया और वहीं खतम। यदि मैं बीच में नहीं आता तो वह पूरा गेहूँ बेचकर खा गया होता।'

वर्मा की मौत की हकीकत जान मैं अवाक रह गया।

अब आगे का किस्सा सुनो – 'अंबाराम पाटीदार को मैंने कहा – गेहूँ दिलवा दो तो एमडीएम शुरू करता हूँ।'

'अंबाराम कौन?' मैंने जानना चाहा।

'अरे, वही, जो बीओ ऑफिस में है, एमडीएम सँभालता है... उसने झट से कागज बना दिया कि दस क्विंटल गेहूँ मन्नालाल राठौर को दिया जाय।'

मुझे कुछ तो मालूम था ही। लेकिन उससे कन्फर्म करना चाहता था। मगज में अंबाराम पाटीदार की फाइल खुलने लगी। वह मूलतः शिक्षक ही था। लेकिन मंडल संयोजक बना बैठा था। स्थानीय विधायक का खास कृपा पात्र था। उसने एमडीएम के लिए आए हुए गेहूँ का पूरा का पूरा एक ट्रक ही पार कर दिया था। बहुत जुगाड़ी है। उसकी थोक स्टेशनरी की दुकान चल रही है। ब्लाक की सभी स्कूलों और सरकारी कार्यालयों में उसी की दुकान से स्टेशनरी जाती है। गाँव में लम-सम खेती-बाड़ी तो है ही।

मन्नालाल ने जोर देकर बताया कि आज मेरे पास सात आँगनवाड़ी और चार स्कूल हैं। पूरे ब्लाक की आँगनवाड़ियों के लिए सत्तू बनाने का काम भी मुझे ही मिला था। उसने थोड़े धीमे स्वर में बताया कि सत्तू-वत्तू कुछ बना नहीं। साहब ने कहा –'मन्नालाल सत्तू बनाने की कोई जरूरत नहीं पाँच लाख आए हैं। तीन तू ले और दो मैं रखता हूँ। तीन लाख फ़ोकट के आ गए। भगवान जब देता है तो छप्पर फाड़कर देता है... फिर और सत्तू का काम मिल रहा है।'

'एमडीएम भी एक नंबर चलाता हूँ। भोजन मीनू अनुसार ही बनता है। सब लोगों से कहता हूँ कि पहले मेरी आँगनवाड़ी चेक करो। सब चेक करते हैं और पीठ ठोककर जाते हैं। पंद्रह अगस्त और छब्बीस जनवरी पर मास्टरों और अफसरों को विशेष भोजन देता हूँ।' फिर वह मीनू अनुसार भोजन बनाने और निरीक्षकों को खुश रखने की खुद की ईजाद की हुई तरकीबों पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डालता रहा।

'तुम्हारी कितने साल की सर्विस है?'

सवाल सुन मैं थोड़ा अचकचा गया। मैं इसके लिए कतई तैयार नहीं था। यह पहली बात थी जिसका संबंध मुझ से था। अभी तक वह केवल अपना ही वर्णन-विवरण और विचार प्रस्तुत कर रहा था, वह भी बहुत ही प्रभावी तरीके से। मुझ पर तो जैसे अचानक हमला हुआ हो। मैं तो अभी उसकी ही बातों में डूब-उतरा रहा था। लेकिन मुझे जवाब तो देना ही था। पता नहीं वह यह क्यों जानना चाहता है? मन में अनाम आशंका फन उठाने लगी। मन ही मन हिसाब लगाने लगा।

'तीस साल तो हो गए हैं। चौरासी में लगा था।'

मन्या उत्साह से बताने लगा – 'एमडीएम चलाते-चलाते अभी मुझे केवल छह साल हुए हैं। बैंक में मेरे तीस लाख पड़े हैं।'

सुनकर मैं आश्चर्यचकित हो गया। मन्या का चेहरा खुशी से दीप्त होता जा रहा था। मेरा चेहरा बुझता जा रहा था। मुझे अपना दयनीय बैंक खाता याद आया। बच्चे ठीक रोजगार से लग नहीं पा रहे थे। प्राइवेट स्कूल में मास्टरी कर रहे थे।

उसने आगे बताया – 'एक पिक-अप, बुलेरो, मोटरसाइकिल और ये स्कूटी है। तीन मंजिला मकान खड़ा कर लिया है। कभी आकर देखो तो... कभी स्कूल से छुट्टी भी ले लिया करो। छुट्टी तो तुम क्या लेते होंगे। गेप भी क्या मारते होंगे। कुछ करो दादा, कोरी मास्टरी से क्या होगा... मेरे छोरे ने बीफार्मा कर लिया है। तीन लाख दे दिए हैं। एमवाय में उसका हो जाएगा। छोरी भी इंदौर में सीए का कोर्स कर रही है।'

मुझे अपनी जिंदगी व्यर्थ होने का अहसास तीव्रता से होने लगा। क्यों मैं अंबाराम पाटीदार या मन्या जैसा नहीं बन पाया!

'मुकेश बहुत पिछड़ गया है। बाल के धंधे में कोई दम नहीं है।'

मुझे तो वह धराशायी कर ही चुका था। अब उसे उसने उसके साथ पढ़ने वाले मौसेरे भाई मुकेश को भी पकड़ लिया था। उसने उसे भी अपटनी लगा दी। अखाड़े में मन्या के सामने न मैं कुछ लग रहा था, न मुकेश। दोनों उसके सामने धूल चाट रहे थे।

मुकेश बाल बनाने का काम न करे तो क्या करे। खेती-बाड़ी तो है नहीं। क्या वह भी मन्या जैसा हो जाय या उसे गुरु बनाकर पैसे कमाने के तरकीबें सीखे। तिकड़मों के पाठ पढ़े।

तभी मोबाइल बजा। मोबाइल उठाने से पहले मैंने उससे इजाजत ली – 'अच्छा चलूँ' और उसकी इच्छा की परवाह किए बगैर मैंने आगे बढ़ते हुए पत्नी का मोबाइल अटेंड किया। पत्नी मुझसे पूछ रही थी कि मैं कहाँ अटक गया हूँ। अभी तक लौटा क्यों नहीं।

'अरे, कुछ नहीं, रस्ते में एक स्पीड ब्रेकर मिल गया था।' मैंने पत्नी को कारण बताया जो शायद उसके सिर के ऊपर से निकल गया था।

खैर, रस्ते भर मन्या की बातें मगज में उमड़ती-घुमड़ती रहीं। मन्या ने अपना विराट रूप दिखाकर मुझे वामन सिद्ध कर दिया था। खूब पढ़ा-लिखा होने के बावजूद मेरी गुजर जैसे-तैसे ही हो रही थी जबकि मन्या बमुश्किल आठवीं पास होगा। लेकिन मजे कर रहा है।

मुझे समझ में नहीं आ रहा था कि मैं मन्या को धिक्कारूँ या खुद को... या उस व्यवस्था को जो मन्या जैसे लोगों को हीरो बना देती है।

– 'हिन्दी समय' से साभार

जैसे ही मैं बालीपुर फाटे पर पहुँचा, मन्या की निगाह मुझ पर पड़ गई। उसकी तो बाँछें खिल गईं। जैसे उसे अपना शिकार अनायास और निष्प्रयास मिल गया हो। उसने अपनी स्कूटी रोक दी थी। चाबी घुमाकर स्कूटी बंद कर दी। पहले तो मैं भी खुश हुआ था कि चलो, बरसों पुराने एक परिचित से मिलना हो जाएगा। लेकिन कुछ ही समय बाद खुद को फँसा हुआ महसूस करने लगा। वह आठ-दस साल बाद मिला था और उसकी बातें खत्म होने का नाम ही नहीं ले रही थी। वह बिना रुके अपनी सफलता की कहानी सुनाता ही जा रहा था। जैसे फर्राटे से दौड़ती बिना ब्रेक की गाड़ी हो।

संजय उवाच

संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

शिवोऽहम्...(4)

आदिगुरु शंकराचार्य महाराज के आत्मषटकम को निर्वाणषटकम क्यों कहा गया, इसकी प्रतीति चौथे श्लोक में होती है। यह श्लोक कहता है,

न पुण्यं न पापं न सौख्यं न दुःखं
न मंत्रो न तीर्थं न वेदा न यज्ञः।
अहम भोजनं नैव भोज्यम न भोक्ता
चिदानन्दरूपः शिवोऽहम शिवोऽहम ।।

मैं न पुण्य से बँधा हूँ और न ही पाप से। मैं सुख और दुख से भी विलग हूँ, इन सबसे मुक्त हूँ। अर्थ स्पष्ट है कि आत्मस्वरूप सदकर्म या दुष्कर्म नहीं करता। इनसे उत्पन्न होनेवाले कर्मफल से भी कोई सम्बंध नहीं रखता।

मंत्रोच्चारण, तीर्थाटन, ज्ञानार्जन, यजन कर्म सभी को सामान्यतः आत्मस्वरूप का अधिष्ठान माना गया है। षटकम की अगली पंक्ति सीमाबद्ध को असीम करती है। यह असीम, सीमित शब्दों में कुछ यूँ अभिव्यक्त होता है, 'मैं न मंत्र हूँ, न तीर्थ, न ही ज्ञान या यज्ञ।' भावार्थ है कि आत्मस्वरूप का प्रवास कर्म और कर्मानुभूति से आगे हो चुका है।

मंत्र, तीर्थ, ज्ञान, यज्ञ, पाप, पुण्य, सुख, दुखादि कर्मों पर चिंतन करें तो पाएँगे कि वैदिक दर्शन हर कर्म के नाना प्रकारों का वर्णन करता है। तथापि तत्सम्बंधी विस्तार में जाना इस लघु आलेख में संभव नहीं।

आगे आदिगुरु का कथन विस्तार पाता है, 'मैं न भोजन हूँ, न भोग का आनंद, न ही भोक्ता।' अर्थात साधन, साध्य और सिद्धि से ऊँचे उठ जाना। विचार के पार, उर्ध्वाधार। कुछ न होना पर सब कुछ होना का साक्षात्कार है यह। एक अर्थ में देखें तो यही निर्वाण है, यही शून्य है।

वस्तुतः शून्य में गहन तृष्णा है, साथ ही गहरी तृप्ति है। शून्य परमानंद का आलाप है। इसे सुनने के लिए कानों को ट्यून करना होगा। अपने विराट शून्य को निहारने और उसकी विराटता में अंकुरित होती सृष्टि देख सकने की दृष्टि विकसित करनी होगी। शून्य के परमानंद को अनुभव करने के लिए शून्य में जाना होगा।... अपने शून्य का रसपान करें। शून्य में शून्य उँड़ेलें, शून्य से शून्य उलीचें। तत्पश्चात आकलन करें कि शून्य पाया या शून्य खोया?

शून्य अवगाहित करती सृष्टि,
शून्य उकेरने की टिटिहरी कृति,
शून्य के सम्मुख हाँफती सीमाएँ
अगाध शून्य की अशेष गाथाएँ,
साधो...!
अथाह की कुछ थाह मिली
या फिर शून्य ही हाथ लगा?

साधक एक बार शून्यावस्था में पहुँच जाए तो स्वतः कह उठता है, 'मैं सदा शुद्ध आनंदमय चेतन हूँ, मैं शिव हूँ, मैं शिव हूँ, शिवोऽहम्..!'

बोध कथा

नकली तोते की कहानी

एक बार की बात है, एक घने जंगल में विशाल बरगद का पेड़ था। उस पेड़ पर बहुत सारे तोते रहा करते थे। वे सभी हमेशा इधर-उधर की बात करते रहते थे। उन्हीं में एक मिट्ठू नाम का तोता भी था। वह बहुत कम बोलता था और शांत रहना पसंद करता था। सब उसकी इस आदत का मजाक उड़ाया करते थे, लेकिन वह कभी भी किसी की बात का बुरा नहीं मानता था। एक दिन दो तोते आपस में बात कर रहे थे। पहला तोता बोला मुझे एक बार बहुत अच्छा आम मिला था। मैंने पूरे दिन उसे बड़े चाव से खाया। इस पर दूसरे तोते ने जवाब दिया मुझे भी एक दिन आम का फल मिला था, मैंने भी बड़े चाव से उसे खाया था। वहीं, मिट्ठू तोता चुपचाप बैठा था। तब तोतों के मुखिया ने उसे देखते हुए कहा अरे हम तोतों का तो काम ही होता है बात करना, तुम क्यों चुप रहते हो? मुखिया ने आगे कहा तुम तो मुझे असली तोते लगते ही नहीं। तुम नकली तोते हो। इस पर सभी तोते उसे नकली तोता-नकली तोता कहकर बुलाने लगे, लेकिन मिट्ठू तोता फिर भी चुप था।

यह सब चलता रहा। फिर एक दिन रात में मुखिया की बीवी का हार चोरी हो गया। मुखिया की बीवी रोती हुई आई और उसने पूरी बात बताई। मुखिया की बीवी ने कहा किसी ने मेरा हार चोरी कर लिया है और वो हमारी ही झुंड में से एक है। यह सुनकर मुखिया ने तुरंत सभा बुलाई। सभी तोते तुरंत सभा के लिए इकट्ठा हो गए। मुखिया ने कहा मेरी बीवी का हार चोरी हो गया है और मेरी बीवी ने उस चोर को भागते हुए भी देखा है।

वह चोर आप लोगों में से ही कोई एक है। यह सुनकर सभी हैरान हो गए। मुखिया ने फिर आगे कहा कि उसने अपने मुंह को कपड़े से ढककर रखा हुआ था, लेकिन उसकी चोंच बाहर दिख रही थी। उसकी चोंच लाल रंग की थी। अब पूरे झुंड की निगाह मिट्ठू तोते और हीरू नाम के एक दूसरे तोते पर थी, क्योंकि झुंड में केवल इन्हीं दोनों की चोंच लाल रंग की थी। यह सुनकर सभी मुखिया से चोर का पता लगाने के लिए बोलने लगे, लेकिन मुखिया ने सोचा कि ये दोनों मेरे अपने हैं। मैं कैसे इनसे पूछ सकता हूं कि तुम चोर हो क्या? इसलिए, मुखिया ने एक कौवे से इसका पता लगाने के लिए मदद ली। असली चोर का पता लगाने के लिए कौवे को बुलाया गया। कौवे ने लाल चोंच वाले हीरू और मिट्ठू तोते को सामने बुलाया। कौवे ने दोनों तोतों से पूछा कि तुम दोनों चोरी के समय कहां थे? इस पर हीरू तोता जोर-जोर से बोलने लगा मैं उस दिन बहुत थक गया था। इसलिए, खाना खाकर मैं उस रात जल्दी सोने के लिए चला गया था। वहीं मिट्ठू तोते ने बहुत धीमी आवाज में जवाब दिया। उसने कहा मैं उस रात सो रहा था। इस बात को सुनकर कौवे ने फिर पूछा तुम दोनों अपनी बात साबित करने के लिए क्या कर सकते हो? इस पर हीरू तोता फिर बड़ी तेज आवाज में बोला मैं उस रात सो रहा था। मेरे बारे में सब जानते हैं। ये चोरी मिट्ठू ने ही की होगी।

इसलिए, वह इतना शांत होकर खड़ा है? मिट्ठू तोता चुपचाप खड़ा हुआ था। सभा में मौजूद सभी तोते चुपचाप यह सब देख रहे थे। मिट्ठू तोता फिर धीमी आवाज में बोला मैंने यह चोरी नहीं की है। इस बात को सुनकर कौवा मुस्कुराकर बोला कि चोर का पता लग गया है। मुखिया के साथ-साथ सब लोग हैरानी से कौवे की ओर देखने लगे। कौवे ने बताया कि चोरी हीरू तोते ने की है। इस पर मुखिया ने पूछा आप यह कैसे कह सकते हैं? कौवे ने मुस्कुराकर कहा हीरू तोता जोर-जोर से बोलकर अपने झूठ को सच साबित करने में लगा था, जबकि मिट्ठू तोता जानता है कि वह सच बोल रहा है। इसलिए, वो अपनी बात आराम से कह रहा था। कौवे ने आगे कहा वैसे भी हीरू तोता बहुत बोलता है, उसकी बात पर भरोसा नहीं किया जा सकता है। इसके बाद हीरू ने अपना जुर्म कबूल कर लिया और सभी से माफी मांगी। यह सुनकर सभी तोते हीरू तोते को कड़ी सजा देने की बात कहने लगे, लेकिन मिट्ठू तोते ने कहा मुखिया जी, हीरू तोते ने अपनी गलती मान ली है। उसने सबके सामने माफी भी मांग ली है। उससे पहली बार यह गलती हुई है, इसलिए उसे माफ किया जा सकता है। यह बात सुनने के बाद मुखिया ने हीरू तोते को माफ कर दिया।

वीर गाथा

कर्नल सोनम वांगचुकः 'लद्दाख के शेर' को देखकर साथियों के शव छोड़कर भागे थे पाकिस्तानी फौजी

'लद्दाख का शेर' कहे जाने वाले सोनम वांगचुक का जन्म 11 मई, 1964 को लेह जिले के संकार में हुआ था। जब उनकी उम्र पांच साल थी, वे माता-पिता के साथ हिमाचल के सोलन आ गए थे। उन्होंने शुरुआती स्कूली पढ़ाई वहीं से की थी। इसके बाद वे धर्मशाला चले गए। वहां उन्हें धर्मगुरु दलाई लामा से आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य मिला। सोनम के पिता वहां बतौर सुरक्षा अधिकारी सेवा दे रहे थे। सोनम वांगचुक ने कॉलेज की शिक्षा दिल्ली से प्राप्त की थी। उनके पिता का सपना था कि वे प्रशासनिक सेवा में जाएं, वहीं सोनम चाहते थे कि वे सैनिक बनें और भारत मां की सेवा करें। उनका यह सपना जल्द पूरा हुआ। वे साल 1987 में सेना में भर्ती हो गए।

इसके बाद उन्हें असम रेजिमेंट की चौथी बटालियन में बतौर सेकंड लेफ्टिनेंट नियुक्त किया गया। वे उत्तर-पूर्व में तैनात रहे। फिर, शांति अभियान में श्रीलंका भेजे गए। इसके बाद उन्हें लद्दाख स्काउट्स में तैनात किया गया।

साल 1999 में कारगिल युद्ध छिड़ने पर मेजर सोनम और उनके साथियों को चोरबैट ला टॉप पर कब्जे का जिम्मा सौंपा गया। सोनम ने प्रतिकूल मौसम और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बीच अपने जवानों का नेतृत्व किया। उन्होंने रणनीति के अनुसार पाकिस्तानी घुसपैठियों पर जोरदार प्रहार किया। इससे कई पाकिस्तानी ढेर हो गए। भारतीय जवानों का पलटवार इतना जबर्दस्त था कि पाकिस्तान को अपने जवानों के साथ गोला-बारूद का भी काफी नुकसान उठाना पड़ा था। बौखलाए पाकिस्तान ने फिर हमला बोला, लेकिन सोनम की सैन्य सूझबूझ से उसे विफल कर दिया गया।

मेजर सोनम के नेतृत्व में भारतीय जवान लगातार भारी पड़ते जा रहे थे। यह देखकर पाकिस्तानियों का हौसला टूटने लगा। वे मोर्चा छोड़कर भागने लगे। उन्होंने अपने साथियों के शव भी वहीं छोड़ दिए थे।

इसके बाद भारतीय जवानों ने कई मोर्चे फतह कर लिए। मेजर सोनम वांगचुक को महावीर चक्र से सम्मानित किया गया। वे साल 2018 में बतौर कर्नल सेना से सेवानिवृत्त हुए।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।
– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्वागत

नई दिल्ली में शनिवार को पहलवान विनेश फोगट का दिल्ली में पेरिस ओलंपिक 2024 में भाग लेने के बाद आईजीआई हवाई अड्डे पर पहुंचने पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

अफ्रीका में 'एमपॉक्स' के प्रकोप को नजरअंदाज किया गया, अब यह अगली वैश्विक महामारी बन सकता है

जोहानिसबर्ग। अफ्रीका में 'एमपॉक्स' का प्रकोप इस तथ्य का एक और उदाहरण है कि कैसे संक्रामक रोगों को 'किसी दूसरे की समस्या' समझा जाता है। विशेष तौर पर गरीबों व विकासशील देशों को प्रभावित करने वाली यह बीमारी अचानक विश्व के लिए अप्रत्याशित रूप से नया खतरा बन सकती है। नजरअंदाज की गई अन्य बीमारियों के उदाहरण वेस्ट नाइल, जीका और चिकनगुनिया वायरस हैं। 'एमपॉक्स' का पता 1958 में चला था और इंसानों में इसके सबसे पहले मामले की पहचान 1970 में हुई थी।

इसके बाद दशकों तक वैज्ञानिकों और जन स्वास्थ्य समुदायों ने इस संक्रामक रोग को नजरअंदाज किया क्योंकि यह अफ्रीका के ज्यादातर दूर-दराज के ग्रामीण इलाकों में फैलने वाला एक असामान्य संक्रमण था, जिसका बाकी दुनिया में कोई नामोनिशान नहीं था।

जब 'एमपॉक्स' ने 2022 में विकसित देशों को प्रभावित करना शुरू किया तब जाकर शोधकर्ताओं ने शोध शुरू किये और वैज्ञानिक अध्ययनों की संख्या में इजाफा हुआ। अप्रैल 2022 के बाद से केवल एक 'मेडिकल सर्च इंजन' पर ही पिछले 60 वर्षों की अपेक्षा अधिक शोध किए गए हैं। अफ्रीकी शोधकर्ताओं ने 'एमपॉक्स' के निदान, उसके उपचार और संक्रमण को रोकने वाले उपकरणों में वैश्विक निवेश को बढ़ाने की जरूरत को लेकर बार-बार आह्वान किया, जिसके बावजूद 2022-23 में 'एमपॉक्स' एक वैश्विक प्रकोप के रूप में सामने आया।

मुलाकात

गिरिडीह में शनिवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी बेंगाबाद, गिरिडीह में शहीद कांस्टेबल चौहान हेम्ब्रम के परिवार के सदस्यों से मुलाकात करते हुए।

'द राजा साहब' में काम करेंगी निधि अग्रवाल

मुंबई/एजेन्सी

बहुप्रतीक्षित पैन इंडिया फिल्म द राजा साहब ने अपने स्टार-स्टडेड कास्ट में निधि अग्रवाल को शामिल करने की घोषणा करते हुए प्रशंसकों को एक रोमांचक अपडेट के साथ आश्चर्यचकित कर दिया है। निधि अग्रवाल के जन्मदिन के अवसर पर यह घोषणा फिल्म के प्रोडक्शन हाउस, पीपुल्स मीडिया फैक्ट्री द्वारा एक जश्न मनाने वाले सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से की गई।निधि अग्रवाल के सुपरस्टार प्रभास जैसे स्टार कास्ट में शामिल होने की घोषणा ने फिल्म उद्योग में उत्सुकता और उत्साह को बढ़ा दिया है। यह नई ऑन-स्क्रीन जोड़ी तुरंत चर्चा का विषय बन गई है, जिससे फिल्म को लेकर उम्मीदें बढ़ गई हैं।उत्साह को और बढ़ाते हुए, घोषणा के साथ इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें साझा की गई हैं, जिसमें निधि को सेट पर अपना जन्मदिन मनाते हुए देखा जा सकता है। वह केक काटती और क्रू के साथ पोज देती हुई दिखाई दे रही हैं, जो टीम का गर्मजोशी से स्वागत करता है।

पीपुल्स मीडिया फैक्ट्री की पोस्ट में लिखा गया: टीम दराजासाहबशानदार निधिअग्रवालका स्वागत करते हुए रोमांचित है! सेट पर ढेर सारे प्यार और उत्साह के साथ उनका जन्मदिन मना रहे हैं पीपुल्स मीडिया फैक्ट्री द्वारा निर्मित, द राजा साहब में ऋद्धि कुमार, वरलक्ष्मी सरथकुमार, जीशु सेनगुप्ता, ब्रह्मानंदम और योगी बाबू जैसे सितारों की भरमार है। प्रशंसित एसएस थमन के संगीत के साथ, यह फिल्म 10 अप्रैल, 2025 को तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज़ होने वाली है।

बिल गेट्स ने सिएटल में पहले भारत दिवस समारोह की शुरुआत की

सिएटल/न्यूयॉर्क/भाषा। प्रौद्योगिकी कंपनी 'माइक्रोसॉफ्ट' के सह-संस्थापक और अरबपति परोपकारी बिल गेट्स ने सिएटल क्षेत्र में पहले भारत दिवस समारोह को हरी झंडी दिखाते हुए कहा कि सुरक्षित टीकों के निर्माण से लेकर डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे तक हर क्षेत्र में भारत की कुशलता न केवल भारतीयों, बल्कि पूरे विश्व की मदद कर रही है। 'गेट्स फाउंडेशन' के अध्यक्ष गेट्स ने भारत के 78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सिएटल स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास के मुख्य अतिथि के रूप में ग्रेटर सिएटल क्षेत्र में प्रथम भारत दिवस समारोह का उद्घाटन किया। सिएटल वाणिज्य दूतावास द्वारा शुक्रवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि गेट्स ने समारोह में भारतीय-अमेरिकी समुदाय के 2,000 से अधिक सदस्यों को संबोधित करते हुए भारत को ''प्रौद्योगिकी, कृषि और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों में अभूतपूर्व नवोन्मेष करने वाला एक वैश्विक नेता'' बताया।

गेट्स ने इस बात पर जोर दिया कि ''कम लागत का सुरक्षित टीका बनाने और प्रवासी भारतीयों द्वारा दिखाए गए उल्लेखनीय नेतृत्व से लेकर भारत के डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी (डीपीआई) ढांचे तक- भारत की कुशलता न केवल भारतीयों, बल्कि पूरी दुनिया की मदद कर रही है।

'ग्लोबल साउथ' के देश अपनी डीपीआई प्रणाली बनाने के लिए भारत के अनुभव का लाभ उठा रहे हैं।'' 'ग्लोबल साउथ' शब्द का इस्तेमाल आम तौर पर आर्थिक रूप से अल्प विकसित देशों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है। 'ग्लोबल साउथ' शब्द आम तौर पर लातिन अमेरिका, एशिया, अफ्रीका और ओशेनिया के क्षेत्रों के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

अमृतसर में शनिवार को रक्षा बंधन त्यौहार से पहले राखी खरीदती लड़कियाँ।

कंगना रनौत ने स्त्री 2 की टीम को फिल्म की सफलता के लिए बधाई दी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत ने फिल्म स्त्री 2 की सफलता पर स्त्री 2 की पूरी टीम को बधाई दी है। श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव की हॉरर कॉमेडी फिल्म 'स्त्री 2' बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई कर रही है। कंगना ने सोशल मीडिया पर 'स्त्री 2' की सफलता पर स्त्री 2 की टीम को बधाई दी है। कंगना ने लिखा, फिल्म स्त्री-2 ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं, पूरी टीम को बधाई, लेकिन फिल्म का असली हीरो उसका निर्देशक होता है। भारत में हम निर्देशकों की उतनी तारीफ नहीं करते हैं और न ही उन्हें फिल्म के हिट होने पर ज्यादा श्रय देते हैं, इसलिए बहुत सारे युवा, लेखक या निर्देशक नहीं, बल्कि एक्टर बनने की इच्छा रखते हैं। फिल्मों में करियर बनाने की चाहत रखने वाले जितने भी व्यक्ति आज तक मुझसे मिले हैं वे या तो अभिनेता बनना चाहते हैं या सुपरस्टार। अगर सभी अभिनेता बन जाएंगे तो फिल्में कौन बनाएगा! सोचो!इसलिए उन अच्छे निर्देशकों के बारे में पढ़िए जो आपको एंटरटेन करने के लिए इतनी मेहनत करते हैं। उन्हें फॉलो कीजिए और उनके जीवन के बारे में जानिए। उनकी तारीफ कीजिए प्रिय अमर कौशिक सर, मोस्ट अवेटेड ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर फिल्म देने के लिए थैंक्यूं।

उल्लेखनीय है कि फिल्म 'स्त्री 2' वर्ष 2018 में रिलीज सुपरहिट फिल्म 'स्त्री' का सीक्वल है। फिल्म 'स्त्री 2' में श्रद्धा कपूर, राज कुमार राव, पंकज त्रिपाठी, अपारशक्ति खुराना, तमन्ना भाटिया, अभिषेक बनर्जी जैसे कलाकार हैं।अमर कौशिक के निर्देशन में बनी फिल्म स्त्री 2, करीब 90 करोड़ रूपये की कमाई कर चुकी है।'स्त्री 2' का निर्माण दिनेश विजान ने मैडॉक फिल्म्स और जियो स्टूडियोज की ज्योति देशपांडे के साथ मिलकर किया है।

पाकिस्तान में अनियमित इंटरनेट से विदेशी कंपनियों के बड़े पैमाने पर पलायन की आशंका: उद्योग जगत

कराची/भाषा। पाकिस्तान में सरकार द्वारा लागू किए जा रहे विवादास्पद फायरवॉल सिस्टम की वजह से पाकिस्तान में इंटरनेट की धीमी और अनियमित सेवाओं के कारण देश से बड़े पैमाने पर विदेशी कारोबारी पलायन कर सकते हैं।

पाकिस्तान बिजनेस काउंसिल (पीबीसी) और पाकिस्तान सॉफ्टवेयर हाउसेज एसोसिएशन (पीएसएचए) ने यह चेतावनी दी है।

यह चेतावनी ऐसे समय में आई है, जब कुछ महीने पहले उबर, फाइजर, शेल, एली एली (अमेरिका), सनोफी (फ्रांस), टेलीनॉर (नॉर्वे), लोट्टो केमिकल (दक्षिण कोरिया) जैसी कुछ शीर्ष कंपनियों ने अपनी पूरी या आंशिक हिस्सेदारी स्थानीय कंपनियों को बेच दी थी।

इस कदम से विदेशी निवेश में भारी गिरावट का संकेत मिला और पाकिस्तान के निवेश माहौल, आर्थिक नीतियों और नियामक बाधाओं पर सवाल उठे।

पीबीसी ने बयान में कहा, कई बहुराष्ट्रीय कंपनियां (एमएनसी) या तो पाकिस्तान से अपने कार्यालय स्थानांतरित करने की योजना बना रही हैं या ऐसा कर चुकी हैं, क्योंकि कथित तौर पर फायरवॉल लगाए जाने से देश भर में बड़े पैमाने पर इंटरनेट बाधित हो रहा है।

बांग्लादेश में हाल में हुई हिंसा में लगभग 650 लोग मारे गए: संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट

ढाका/जिनेवा/भाषा। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय (यूएनएचसीआर) ने एक प्रारंभिक रिपोर्ट में कहा है कि 16 जुलाई से 11 अगस्त के बीच बांग्लादेश में अशांति के दौरान हिंसक घटनाओं में लगभग 650 लोग मारे गए। इस रिपोर्ट में न्यायेतर हत्याओं, मनमानी गिरफ्तारियों और लोगों को हिरासत में लिये जाने की गहन, निष्पक्ष और पारदर्शी जांच का सुझाव दिया गया है।

''बांग्लादेश में हालिया विरोध प्रदर्शन और अशांति का प्रारंभिक विश्लेषण'' शीर्षक वाली 10-पृष्ठ की रिपोर्ट के अनुसार, 16 जुलाई से चार अगस्त के बीच करीब 400 मौतें हुईं, वहीं पांच और छह अगस्त के बीच विरोध प्रदर्शनों के हिंसक रूप लेने के बाद लगभग 250 लोगों की मौत हो गई। प्रदर्शनों के सत्ता विरोधी आंदोलन का रूप लेने के बाद शेख हसीना को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा।

मीडिया और आंदोलन समूहों द्वारा उपलब्ध सार्वजनिक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 16 जुलाई से 11 अगस्त के बीच, भेदभाव-विरोधी छात्र प्रदर्शनों के बाद हिंसा की घटनाओं में 600 से अधिक लोग मारे गए।

जिनेवा में शुक्रवार को जारी की गई रिपोर्ट में कहा गया है कि उस समय से प्रतिशोध में की गई हत्याओं की संख्या अभी निर्धारित की जानी बाकी हैं। यूएनएचसीआर की रिपोर्ट में कहा गया है कि सात से 11 अगस्त के बीच कई मौतें हुईं, जिनमें वे लोग भी शामिल हैं जिनकी हिंसा में लगी चोटों के कारण चिकित्सा उपचार के दौरान मौत हो गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि मरने वालों में प्रदर्शनकारी, राहगीर, पत्रकार और सुरक्षा बल के कई जवान शामिल थे। इसमें कहा गया है कि हजारों प्रदर्शनकारी और राहगीर घायल हुए तथा अस्पताल अत्यधिक मरीजों से भरे हुए हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि मौतों की संख्या संभवतः कम आंकी गई है, क्योंकि कर्फ्यू और इंटरनेट बंद होने के कारण आवाजाही पर प्रतिबंधों के कारण सूचना संग्रह में बाधा आ रही है।

प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी 'कल्कि 2898 एडी'

मुंबई/एजेन्सी

ब्लॉक बस्टर फिल्म कल्कि 2898 एडी का ग्लोबल स्ट्रीमिंग प्रीमियर 22 अगस्त, को प्राइम वीडियो पर होगा। नाग अश्विन निर्देशित फिल्म कल्कि 2898 एडी में अमिताभ बच्चन,प्रभास, कमल हासन, दीपिका पादुकोण और दिशा पाटनी की मुख्य भूमिका है।प्रियंका दत्त, सी. असवानी दत्त और स्वप्ना दत्त के द्वारा वैजयंती मूवीज के बैनर तले बनीं कल्कि 2898 एडी प्राइम वीडियो 22 अगस्त को स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध होगी । यह फिल्म तेलुगु में देखी जाएगी, और तमिल, कन्नड़, और मलयालम डब के साथ, अंग्रेजी सब टाइटल्स भी होंगे।

प्रभास ने कहा, नागा जैसे क्रिएटिव डायरेक्टर और बेहतरीन कास्ट के साथ कल्कि 2898 एडी पर काम करना बहुत ही मजेदार रहा है। यह फिल्म कहानी कहने के तरीके को माइथोलॉजी और फ्यूचरिस्टिक एलिमेंट्स के मेल के साथ अपने दायरे से बाहर ही नहीं जाती है, बल्कि यह इंसानों के पेचीदा स्वभाव के बारे में भी बात करती है।

ताकतवर और दृढ़ संकल्प से भरपूर भैरव का किरदार निभाना बहुत ही संतोषजनक रहा है। सिनेमाघरों में कल्कि 2898 एडी को मिले प्यार के बाद, मैं प्राइम वीडियो पर इसके ग्लोबल प्रीमियर के लिए एक्साइटेड हूँ। मुझे उम्मीद है कि दर्शकों को इसे देखने में उतना ही मज़ा आएगा जितना हमें इसे बनाने में आया है। कल्कि 2898 एडी के निर्माता सी. अश्विनी दत्त ने कहा, बॉक्स ऑफिस पर सफल प्रदर्शन और सभी आयु वर्ग के लोगों से मिली शानदार प्रतिक्रिया के बाद, वैजयंती मूवीज़ अपने 50वें वर्ष का जश्न मनाने का इससे बेहतर तरीका नहीं खोज सकती थी। कल्कि 2898 एडी प्राइम वीडियो पर दुनिया भर के दर्शकों के लिए अपने ओरिजनल तेलुगु और तमिल, कन्नड़ और मलयालम में डब के साथ उपलब्ध होगी। हम सभी द्वारा कल्कि की दुनिया देखने को लेकर उत्साहित हैं, जिसमें जबरदस्त परफॉर्मेंस और एक ऐसी कहानी है जो विजुअली इंप्रेसिव और बेहद एंगेज करने वाली है, जिसे दर्शक और ज्यादा देखना चाहते हैं। नाग अश्विन ने कहा,कल्कि 2898 एडी के साथ, मैं एक ऐसी फिल्म बनाना चाहता था जो नई और अलग हो, जो आम लिमिटस से परे हो और हमारे कल्चरल स्टोरीज को दुनिया के साथ शेयर करे। दुनिया भर के बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की बड़ी सफलता देखना बहुत ही खुश करने वाला है। यह दिखाता है कि भारतीय पौराणिक कथाओं पर आधारित फिल्मों का आनंद हर जगह के लोग उठा सकते हैं। सिनेमाघरों में इतना प्यार पाने के बाद, मैं प्राइम वीडियो पर कल्कि 2898 एडी की स्ट्रीमिंग और दुनिया भर में और भी बड़े दर्शकों तक पहुँचने के लिए उत्साहित हूं।

कल्कि 2898 एडी में सुप्रीम यास्किन की भूमिका निभाने वाले कमल हासन ने कहा, कल्कि 2898 एडी जैसी ग्रैंड फिल्म प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना मेरे लिए यादगार और विनम्र दोनों रहा है। यह फिल्म भारतीय सिनेमा के लिए एक बड़ा कदम है। इस तरह के एमिबिशियस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना सम्मान की बात है, और मैं प्राइम वीडियो पर इसके प्रीमियर के लिए एक्साइटेड हूं, जहां यह दुनिया भर के नए दर्शकों तक पहुंच सकेगी।

'वनवास' फिल्म है भावनाओं का 'गदर', मेरे दिल के करीब है : अनिल शर्मा

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म निर्माता अनिल शर्मा ने कहा है कि नाना पाटेकर और उत्कर्ष शर्मा अभिनीत उनकी अगली फिल्म 'वनवास', जिसका नाम पहले 'जर्नी' था, वह भावनाओं का 'गदर' है। अपनी अगली फिल्म के बारे में आईएएनएस से बात करते हुए, अनिल शर्मा ने कहा कि 'वनवास' भावनाओं का गदर है। यह भावनाओं का विस्फोट है। यह एक ऐसी कहानी है, जिसमें हमने यह दिखाने की कोशिश की कि एक पिता का महत्व सबसे ऊपर होता है। यह एक ऐसी फिल्म है जो हर किसी को पसंद आएगी। यह फिल्म हर पिता देखेगा और फिर अपने बेटों को इसे देखने के लिए कहेगा। फिल्म निर्माता ने कहा कि उन्होंने सिनेमा में अपनी यात्रा 'श्रद्धांजलि' जैसी फिल्मों से शुरू की। फिर 'बंधन कच्चे धागों का' 'अपने' जैसी फिल्में बनाई, जो उनके जीवन की भावनात्मक यात्रा की तरह थी। इसी तरह, 'वनवास' भी एक भावनात्मक यात्रा है, जहां मैं कहता हूं, 'अपने ही देते हैं अपनों को वनवास', मैं दुनिया का सबसे बड़ा सच बताने की कोशिश कर रहा हूं। यह आज के समय में बहुत प्रासंगिक है।

फिल्म निर्माता अनिल शर्मा की 'गदर 2' फिल्म ने हिंदी सिनेमा में एक साल पूरा कर लिया है। उन्होंने उस पल को याद किया जब उन्हें अनुभवी स्टार अभिनेता नाना पाटेकर का फोन आया था, जो यह देखकर आश्चर्यचकित थे कि अनिल शर्मा एक्शन फिल्म नहीं बना रहे हैं। अनिल शर्मा ने कहा कि 'गदर' के बाद जब मैं फिल्म की शूटिंग शुरू करने वाला था तो नाना पाटेकर ने फोन किया और कहा कि अनिल मैंने सोचा था कि तुम एक बड़ी एक्शन फिल्म की शूटिंग कर रहे होगे। 'गदर' इतनी बड़ी हिट बन गई है। इसके जवाब में मैंने उनसे कहा , नाना सर, मैं एक इमोशनल 'गदर' बना रहा हूं। मैं एक ऐसी फिल्म बना रहा हूं जो मेरे दिल के करीब है। मैं किसी ट्रेंड के मुताबिक नहीं चलता हूं, बल्कि जो महसूस करता हूं उस पर फिल्म बनाता हूं।

मशहूर होना व ग्लैमर की दुनिया में तहलका मचाना : उर्फी जावेद

मुंबई/एजेन्सी

उर्फी जावेद अपने फैशन सेंस को लेकर सुर्खियों में बनी रही हैं, लेकिन इस बार वह अपनी अपकमिंग शो 'फॉलो कर लो यार' को लेकर चर्चाओं में हैं। मेकर्स ने शो का ट्रेलर जारी किया है, इसमें उनकी लाइफ से जुड़ी हर चीज.. जैसे स्ट्रगल, सक्सेस और अनसुनी बातों को दिखाया गया है। मेकर्स का दावा हैं कि शो में बिना किसी फिल्टर के उनकी जिंदगी को दिखाया जाएगा। 9 एपिसोड वाली इस सीरीज को ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर 23 अगस्त को रिलीज किया जाएगा। यह सोल प्रोडक्शंस की फाजिला अल्लाना और कामना मेनेजेस द्वारा निर्मित और संदीप कुकरेजा द्वारा निर्देशित है। 'फॉलो कर लो यार' को लेकर उर्फी जावेद ने कहा, ''मैंने हमेशा बड़े सपने देखे हैं, तब भी जब लोगों ने कहा कि मैं ऐसा नहीं कर सकती। मशहूर होना? ग्लैमर की दुनिया में तहलका मचाना? यही मेरा पहले दिन से ही गेम प्लान रहा है। मेरे लिए यह आसान नहीं था। मैंने सक्सेस से ज्यादा जिंदगी में उतार देखें हैं, ऐसे पलों का, जो किसी को भी अंदर से तोड़ दे, उनका सामना किया है। लेकिन मैने हर बार पहले से ज्यादा मजबूत होकर खुद को वापस खड़ा किया है।''

''लोगों ने मेरी कहानी का सिर्फ एक पहलू ही देखा है, लेकिन सोशल मीडिया से दूर मेरी जिंदगी और भी ज्यादा पागलपन भरी है। यह पूरी तरह से ड्रामा है! मैंने पहले भी रियलिटी टीवी किया है, लेकिन मेरा खुद का शो होना एक सपने के सच होने जैसा है। 'फॉलो कर लो यार' रॉ, रियल और 100 प्रतिशत मेरा है, बिना किसी फ़िल्टर और बेबाक तरीके से।'' ''क्या आपको लगता है कि आप उर्फी को जानते हैं? खैर, असली चीज देखने के लिए तैयार हो जाइए। यह एक रोमांचक सफर होने वाला है, और मैं आप सभी के मेरे साथ जुड़ने का इंतजार बेसब्री से कर रही हूं।'' शो के निर्देशक संदीप कुकरेजा ने कहा, ''असली मजा उनकी लाइफ के उन पलों को कैद करने में था, जिन्हें उनके फॉलोअर्स और फैंस ने कभी नहीं देखा था। रियलिटी, हमें उन तरीकों से सरप्राइज करती है, जिसकी हम कभी उम्मीद नहीं करते। यह चुनौतीपूर्ण और रोमांचक दोनों था।''

RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

जीतो चेप्टर बेंगलूरु नार्थ के अंतर्गत जीतो यूथ विंग द्वारा 78वां स्वतंत्रता दिवस के मौके पर 'जीतो क्रॉस फिट' नामक फिटनेस कार्यक्रम का आयोजन वसंतनगर स्थित ब्रीदिंग स्पेश में आयोजित किया।

स्ट्रीट फूड के जायकों का शानदार ठिकाना बना 'चाट का चस्का'

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। देश के स्ट्रीट फूड के जायकों के लिए बेंगलूरु के राजराजेश्वरी नगर में 'चाट का चस्का' एक शानदार ठिकाना बन गया है। क्वालिटी और स्वाद पर फोकस करते हुए यह रेस्टोरेंट विविधता से परिपूर्ण मेनू पेश करता है, जिसमें कई तरह के चाट, स्नैक्स और पेय पदार्थ शामिल हैं।

इसके संचालकों ने बताया कि चाहे आप पानी पूरी के तीखे स्वाद या छोले भटूरे के मसालेदार स्वाद का आनंद लेना चाहते हों, 'चाट का चस्का' के पास परंपरा और नवीनता के साथ स्वादिष्ट भोजन का खजाना है। उन्होंने कहा कि वे भारतीय स्ट्रीट फूड की समृद्ध और स्वाद से भरपूर खूबियों से युक्त पकवानों का आनंद लेने के लिए सबको आमंत्रित करते हैं।

मानव सेवा के उद्देश्य के साथ ही राष्ट्र भक्ति का आदर्श

'एक शाम देश के नाम' में बही देश भक्ति की धारा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन समाज अहिंसा एवं मानव मात्र के प्रति सद्भावना रखने वाला है। आज विश्व में जैनियों ने अपने राष्ट्र भक्ति, दृढ़ धर्मिता एवं श्रेष्ठ आचरण से एक विशिष्ट पहचान बनाई है। जैन समाज ने शुद्ध सात्विक भोजन शाकाहार का एक आदर्श प्रस्तुत किया है जिसका ज्वलंत उदाहरण है कि विश्व के हर देश में जैन भोजन मिल सकता है। प्राणी मात्र की रक्षा का भगवान् महावीर का सन्देश सारे विश्व में शान्ति स्थापित करने की दिशा में अत्यंत प्रासंगिक है। उपरोक्त विचार उदगार जेएसपी श्रीश्रीमाल जैन फाउंडेशन बेंगलूरु द्वारा डॉ बी आर अम्बेडकर भवन में आयोजित 'एक शाम देश के नाम' कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भारत के राष्ट्रपति द्वारा विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित सेवा निवृत्त मेजर जनरल नरपतसिंह राजपुरोहित ने प्रकट किये। उन्होंने समाज की महिलाओं से अपने बच्चों को सेना में भर्ती होने के लिए प्रेरित एवं प्रोत्साहित करने का भी आह्वान किया।

फाउंडेशन के संस्थापक ट्रस्टी महेंद्र श्रीश्रीमाल ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि आचार्य पार्श्वचन्द्र, पदमचंद्र मुनि के मार्गदर्शन, माता पानीबाई श्रीश्रीमाल की प्रेरणा से सुश्रावक भंवरलाल श्रीश्रीमाल की स्मृति में निर्मित इस ट्रस्ट का उद्देश्य जीव दया एवं स्वधर्मी उत्थान के कार्यों के संचालन के साथ ही जरूरतमंद परिवारों को आत्म निर्भर बनाने हेतु योजना संचालित करना है। भारत की आजादी के अमृत काल में देशवासियों में राष्ट्रप्रेम की भावना को समुन्नत करने के उद्देश्य से 'एक शाम देश के नाम' कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

कार्यक्रम में प्रसिद्ध गायक हितेश मेहता ने 'संदेशे आते हैं, हमें तड़पाते हैं', 'मेरे देश की धरती सोना उगले, उगले हीरे मोती', 'है प्रीत जहां की रीत सदा, उस देश का रहने वाला हूँ', गायक ऋषभजी मेहता, अनुपमा चटर्जी मुंबई ने 'तेरी मिटटी में मिल जावां, गुल बनके मैं खिल जावां' आदि एक से एक बढ़कर देश भक्ति के गीत सुनाकर सैंकडों श्रोताओं से खचाखच भरे अम्बेडकर भवन को राष्ट्र भक्ति के रंग में रंग दिया। कार्यक्रम का शुभारम्भ पंच परमेष्ठी वन्दना की भावपूर्ण प्रस्तुति के पश्चात कलाकारों द्वारा चित्ताकर्षक नृत्य की प्रस्तुति के साथ हुआ। इसके साथ ही सामूहिक रुप से राष्ट्रगान हुआ। चन्द्रा बाई लोढ़ा, कांताबाई कांठेड़, प्रेमाबाई बाफना एवं अतिथियों ने दीप प्रज्वलन किया। सैनिक पदाधिकारियों ने अपने संदेश में मानव सेवा एवं शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने हेतु जेएसपी श्रीश्रीमाल जैन फाउंडेशन की स्थापना पर शुभकामनाएँ प्रकट करते हुए श्रीश्रीमाल परिवार की गुरु भक्ति एवं सेवा भावना की सराहना की। फाउंडेशन के उद्देश्य की सराहना करते हुए जाति, भाषा, प्रांत एवं धर्म के भेदभाव से ऊपर उठकर सशक्त भारत राष्ट्र के निर्माण में सहभागी बनने का हर भारतीय को आह्वान किया। समारोह में कारगिल कैप्टन सुरेशचंद भंडारी की मंच पर विशेष उपस्थिति रही।

कार्यक्रम के मध्य में शहीद सैनिकों के वीर परिवारों को सम्मान राशि भेंट की गई। अनाथ आश्रम एवं अन्य कई समाजसेवी संस्थाओं को भी सहयोग राशि भेंट की गई। श्री संस्कृति के बच्चों द्वारा भरतनाट्यम नृत्य की प्रस्तुति एवं अन्य कलाकारों ने देशभक्ति गीतों पर नृत्य प्रस्तुत कर सभी को भाव विभोर कर दिया। महेंद्र मुणोत केजीएफ ने उपस्थित सैनिक परिवारों एवं सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन पिंकी मेहता ने किया।

जेबीएन वी-प्रेनर्स ऑल विमेन रेफरल ग्रुप की पहली बैठक सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जेबीएन वी-प्रेनर्स ऑल वुमेन रेफरल ग्रुप की लॉन्च के बाद पहली आधिकारिक बैठक 16 अगस्त को चामराजपेट स्थित जीतो कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक की शुरुआत नवकार मंत्र के उच्चारण से हुई। सभी सदस्यों ने अपने व्यवसाय को प्रस्तुत करने और जिन कनेक्शनों की वे अपेक्षा कर रहे थे, उनके बारे में 30 सेकंड की प्रस्तुति दी। सदस्यों ने एक-दूसरे को रेफरेंस और धन्यवाद स्लिप दी।

केकेजी ज़ोन कन्वीनर तुषार बाफना ने अपने सफर और अनुभव के बारे में बताया कि कैसे जेबीएन आपके व्यवसाय के लिए एक उत्कृष्ट प्लेटफार्म हो सकता है। उन्होंने नेटवर्किंग, 30 सेकंड की प्रस्तुति और जेबीएन में आपके व्यवसाय के विकास के महत्व के बारे में भी जानकारी दी। ट्रेंडसेटर अचीवर रेफरल हेड विक्रम भंसाली ने आगामी क्रिकेट टूर्नामेंट के कार्यक्रम की घोषणा की और सभी वी-प्रेनर्स सदस्यों को प्रोत्साहित किया कि यह अन्य रेफरल ग्रुप के सदस्यों के साथ क्रिकेट के माध्यम से जुड़ने का एक बहुत अच्छा अवसर है। एसएसबी एपेक्स सहसंयोजिका रेखा के समर्थन और मार्गदर्शन से बैठक का आयोजन किया गया। जितो लेडीज़ विंग की चेयरपर्सन सुनिता गांधी ने सभी जेबीएन सदस्यों को प्रेरित किया। रेफरल हेड नीलम सांड, रेफरल लीड लताशा भंडारी और रेफरल सेक्रेटरी ज्योति कोचट्टा ने अपनी भूमिकाओं और ज़िम्मेदारियों के बारे में बताया।

दुख में दुखी न हों और सुख में लीन न हों : साध्वी आगमश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां सेपिंग्स रोड स्थित हीराबाग जैन स्थानक में विराजित साध्वी आगमश्रीजी म. सा. ने शनिवार को अपने प्रवचन में बताया कि जिंदगी दो दिन की है। एक दिन है आपके पक्ष में और एक दिन आपके विपक्ष। जो दिन आपके पक्ष में है उसमें गुरूर मत करना जो आपके खिलाफ है उस दिन थोड़ा सब्र जरूर करना। जो अपने तन, मन, धन, परिवार के वश में हो जाए तो खुशी और वश में ना रहें तो दुःखी होता है। धर्म स्ट्रीट लाइट की तरह है जिसका उपयोग तो सब करते है, पर उस पर अधिकार किसी का नहीं होता। आत्मा को मन को अनुशासित करने के लिए ज्ञानियों ने चार सूत्र रखे हैं। पहला दुःख में दीन नहीं होना, दूसरा सुख में लीन नहीं होना, तीसरा पाप में प्रवीण नहीं होना, चौथा धर्म में हीन नहीं होना। आत्मा को अनुशासित करना है तो इन चार बातों को जीवन के आचरण में लाना होगा।

प्रवचन के पश्चात् कॉक्स टाउन महिला मंडल ने धार्मिक तंबोला का आयोजन किया। राखी गादिया ने सबको धार्मिक कथा के माध्यम से जैन धर्म के बारे मे बहुत सुंदर तरीके से समझाया। अध्यक्ष भीकमचंद सखलेचा एवं वरिष्ठ श्रावक जब्बरचंद कांकरिया ने निर्णायक बनकर विजेताओं उपहार दिए। मंत्री अशोक बांठिया ने संचालन किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

आशीर्वाद

बेंगलूरु के जैन श्वेताम्बर तेरापंथ सभा विजयनगर के सदस्यों ने सूरत में 17 अगस्त को आचार्यश्री महाश्रमण के चातुर्मास स्थल आचार्यश्री से आशीर्वाद प्राप्त किया। सूरत में महासभा अधिवेशन के तीन दिवसीय प्रतिनिधि सम्मेलन में भाग लेने सभी यहां पहुंचे हुए हैं। विजयनगर सभा अध्यक्ष ने विजयनगर की गतिविधियों की जानकारी प्रदान की एवं साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी के चातुर्मास की जानकारी प्रदान किया। इस अवसर पर तेरापंथ सभा अध्यक्ष मंगल कोचर, मंत्री दिनेश हिंगड़, उपाध्यक्ष भंवरलाल मांडोत, सहमंत्री विमल दक, सभा के पूर्व अध्यक्ष राजेश चावत आदि उपस्थित रहे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ध्वजारोहण

बेंगलूरु के नंदिनी लेआउट स्थित आचार्य महाप्रज्ञ हाई स्कूल में तेरापंथ युवक परिषद गांधीनगर द्वारा 78वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर ध्वजारोहण किया गया। परिषद के अध्यक्ष विमल धारीवाल, मंत्री राकेश कुमार चौरड़िया ने ध्वजारोहण किया गया। सभी ने राष्ट्रगान का संगान किया एवं एक सच्चे भारतीय नागरिक होने की प्रतिज्ञा ली। स्कूल के बच्चों द्वारा देश के नाम समर्पित विभिन्न भाषाओं में अपना वक्तव्य, गीतों से और नुक्कड़ नाटक से सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। स्कूल की तरफ़ से ट्रस्टी मनोहर भारतीय उपस्थित थे। स्कूल के विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों सभी के लिए मिठाई और बिस्किट वितरण परिषद् के सदस्यों द्वारा किया गया। 20 बच्चों को छात्रवृत्ति विमल रांका परिवार के सहयोग से दी गई। इस मौके पर परिषद के अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सम्मान

बेंगलूरु में शनिवार को महालक्ष्मी लेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ मंदिर में साध्वीश्री नयदर्शाश्री जी म.सा. के निश्रा में श्री नवकार महामंत्र के तपस्वियों का पारणा एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसमें सभी तपस्वियों का चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन चेरिटेबल ट्रस्ट मंडल द्वारा सम्मान किया गया।

तालाब में डूबने से 4 बालिकाओं की मौत

बीकानेर। नोखा में एक बेहद दुखद घटना घटी, जिसमें तालाब में डूबने से चार बालिकाओं की मौत हो गई। ये बालिकाएँ दो परिवारों से थीं, जो बिहार से मजदूरी के लिए नोखा आए थे। घटना ने दोनों परिवारों पर भारी विपत्ति ला दी, क्योंकि उन्होंने अपनी दो-दो बेटियाँ खो दीं। यह घटना उस समय घटी जब पानी लेने गईं थीं और खेलते हुए गहराई में जाने से डूब गईं। तालाब की गहराई और समय पर मदद न मिलने के कारण चारों बालिकाओं को बचाया नहीं जा सका। पीड़ित परिवार बिहार से मजदूरी के लिए नोखा आए थे, और इस हादसे ने उन्हें गहरे सदमे में डाल दिया है। दोनों परिवारों ने अपनी दो-दो बेटियाँ खो दी हैं।

युवाओं में फिटनेस पर जागरुकता को लेकर 'जीतो क्रॉस फिट'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो चेप्टर बेंगलूरु नार्थ के अंतर्गत जीतो यूथ विंग द्वारा 78वां स्वतंत्रता दिवस के मौके पर 'जीतो क्रॉस फिट' नामक फिटनेस कार्यक्रम का आयोजन वसंतनगर स्थित ब्रीदिंग स्पेश में आयोजित किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवा साथियों को आपसी जुड़ाव और फिटनेस के प्रति जागरूकता था। सदस्यों में स्वास्थ्य के प्रति जुनून और सबसे अधिक फिट होने की स्वस्थ प्रतिस्पर्धा रही। ब्रीदिंग स्पेस के मास्टर कोच हरि व चार अन्य कोच ने कहा कि फिट युवा तो हिट युवा इसलिए फ़िटनेस और स्वास्थ्य संबंधी बहुमूल्य सुझाव साझा किए साथ ही प्रायोगिक कई चुनौतीपूर्ण वर्कआउट के माध्यम से प्रतिभागियों का मार्गदर्शन भी किया। उन्होंने हैंग-अप, साइड बर्पी, डेडलिफ्ट, स्क्वैट्स और एक दौड़, सीढ़ी चढ़ना और एक गहन रस्साकशी जैसे विभिन्न चुनौतीपूर्ण अभ्यासों द्वारा टीमों को ग्रैंड फिनाले हेतु चुना। प्रतिस्पर्धा हेतु सभी का उत्साह देखने लायक था। सभी चुनौतियों को पार करते हुए युवा वर्धमान आंचलिया व दिव्या आंचलिया ने सबसे फिट युवा का ख़िताब जीता।

चेप्टर के अध्यक्ष इंदरचंद बोहरा ने युवाओं को प्रेरणा देते हुए कहा कि 'पहला सुख निरोगी काया'। इसी ध्येय के साथ शरीर को स्वस्थ और मन को प्रसन्न रखने के लिए मार्निंग वाक, शारीरिक व्यायाम को प्राथमिकता दे। अपने दो वर्षीय कार्यकाल में आप सभी युवाओं ने सदस्यों के साथ जुड़कर अनेक आयाम कर जागरूकता का परिचय दिया है। यूथ विंग अध्यक्ष मनीष कोठारी ने कहा कि मौजूदा दौर में युवाओं में जिम के अलावा योग, प्रणायाम का क्रेज तेजी से बढ़ रहा है। योग क्रियाओं के लिए कोई योग क्लास तो कोई इंटरनेट मीडिया के जरिये घर पर ही सुरक्षित तरीके से अपनी सेहत बना रहे हैं। उन्होंने आगामी कार्यक्रमों के बारे में जानकारी साझा की और युवाओं को भारत के भविष्य का पथ प्रदर्शक बताया।

कार्यक्रम संयोजक आशीष तपरावत और गौरव दलाल ने आयोजन के विजन पर चर्चा की। आयोजन ने संयुक्त सचिव निकिता बडेरा और प्रबंधन समिति के सदस्य यश मेहता, अक्षय डक, लक्षित सोनीगरा और हर्ष सुराना ने समग्र कार्यक्रम व्यवस्था का ध्यान रखा। आयोजन का शुभारंभ नवकार मंत्र से हुआ। ध्वजारोहण किया गया। अध्यक्ष मनीष कोठारी ने सभी का स्वागत किया। कार्यसमिति सदस्य प्रतीक जैन ने कार्यक्रम का सुचारू रूप संचालन को किया। मुख्य सचिव खुशी पोरवाल ने सभी प्रतिभागियों और आयोजन टीम को धन्यवाद दिया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

मनुष्य विवेक से काम ले : साध्वी धर्मप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। हनुमंतनगर के मरूधर केसरी दरबार में धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए साध्वीश्री धर्मप्रभाजी ने कहा कि जिस मानव ने इस धरती पर मानव देह पाकर भी कोई भले का काम नहीं किया हो, कोई यश प्राप्त करे जैसा एक भी काम नहीं किया, अपने हाथों से दान दिया नहीं और कोई सुकृत, भलाई, परोपकार सेवा का कार्य नहीं किया हो। प्रभु का नाम लिया नहीं तो वो व्यक्ति जिन्दा होता हुए भी मृत के समान है। वहीं जिसने नेत्र होते हुए भी सम्यक ज्ञान प्राप्त नहीं किया, विवेक प्राप्त नहीं किया तो वो प्राणी नेत्र होते हुए भी अंधे के समान है। जो व्यक्ति पाप करके हंसता हैं, इक दिन फिर उसे अवश्य ही रोते हुए अपने किए पाप-कर्मो का भुगतान करना पड़ता है।

साध्वीश्री ने आगे कहा कि प्रभु महावीर ने उत्तराध्ययन सूत्र में फरमाया है कि जीवन के मरण काल में जगत का सारा धन और इतनी बड़ी पृथ्वी भी तुम्हें बचाने में असमर्थ हैं, यह पास में रहा सारा धन और यह जगत के भौतिक पदार्थ, स्वजन-परिजन सब मानव की रक्षा करने में सहायक नहीं होते हैं। व्यक्ति के किए कर्म ही अंत में जीव के साथ जाते हैं। चक्रवर्ती का पद और इन्द्र का वैभव भी मिल जाये लेकिन संतोष का आत्मिक गुण जीवन में नहीं हो यह सब प्राप्त किया व्यर्थ है। अतः मानव सदाचार चर्ममय जीवन जीकर अपने अनमोल मानव भव को सार्थक बनायें। संघ अध्यक्ष गौतमचंद सिंघवी ने स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए संघ मंत्री सुरेश कुमार धोका ने किया।

संस्कार शाला में 'क्रोधी नहीं, सहनशील बनें' पर कार्यशाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर द्वारा समृद्ध राष्ट्र योजना के अंतर्गत संस्कार शाला का पहले चरण 'क्रोधी नहीं सहनशील बनो' विषय पर शनिवार को चामराजपेट स्थित जेएसएस कस्तूरबा स्कूल में कार्यशाला आयोजित की गई। नमस्कार महामंत्र से कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। सभी का स्वागत अध्यक्ष रिजु डूंगरवाल ने किया।

मुख्य प्रशिक्षिका पूर्व अध्यक्ष निर्मला गादिया ने विद्यार्थियों को ज्ञान मुद्रा के द्वारा महाप्राण ध्वनि, श्वास की प्रक्रिया, ध्यान का प्रयोग, लाफ्टर योगा के द्वारा हम क्रोध को कैसे शांत करके सहनशील बन सकते हैं।

इसका प्रशिक्षण देते हुए कहा की हम जो चाहते हैं वह नहीं मिलता। शिक्षक डांटते, ज्यादा भूख लगने पर, दोस्तों के साथ झगड़ा होने पर, कोई हमें नीचा दिखाएं तब गुस्सा आना सहज है लेकिन उसे रोकने का प्रयास करना चाहिए। क्रोध करने से बहुत सी हानियां होती है। वही मौन रहने से वह अपनी ओर आकर्षित होते हैं। गुस्से से हम अपने पर, अपनी भाषा पर, अपनी परिस्थिति पर, नियंत्रण नहीं रख पाते हैं। गुस्सा एक भावनात्मक विचार है भावनाओं को बदलने से हम शांत हो सकते हैं। गुस्सा आने पर वह स्थान छोड़ दें, ठंडा पानी पिए, प्रतिक्रिया न करें, एक से 10 तक गिनती करें, जीभ को पलट कर तलवे पर लगायें। विद्यार्थियों ने प्रशिक्षण के बाद सवालों के जवाब दिए। विद्यार्थियों को नोटबुक वितरित की गई। संयोजिका तारा सेठिया का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर संतोष सोलंकी, लीला सेठिया, ममता सेठिया की उपस्थिति रही।

जिनदत्त कुशल सूरी मंडल द्वारा गौशाला में सेवा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री मलयप्रभ सागरजी म. सा. एवं साध्वी जी श्री स्वर्णांजना श्री जी म. सा. की प्रेरणा से श्री जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल द्वारा रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में गौशाला में गौमाता और अन्य जीवों की सेवा की गई जिसमें गायों को हरा चारा, गुड़, पक्षियों को दाना आदि सदस्यों द्वारा खिलाया गया। मंडल द्वारा इस वर्ष 25 से अधिक गौशालाओं में सहायता राशि प्रदान की जाएगी। आज के जीवदया कार्यक्रम में उपाध्यक्ष अनिल भडकतिया, महामंत्री ललित डाकलिया, कोषाध्यक्ष पृथ्वीराज श्रीश्रीमाल, जीवदया संयोजक भरत कोठारी, कुनाल मरलेचा ने अपनी सेवाएं प्रदान की।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com